लखनऊ

शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 23
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

काम वह वस्तु नहीं है जिससे किसी व्यक्ति की पराजय होती है, वास्तव में वह वस्तु चिंता है। - हेनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

सोमनाथ सूर्यवंशी मौत: प्राथमिकी दर्ज करने का हाई कोर्ट का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा

छत्रपति संभाजीनगर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमनाथ सूर्यवंशी की हिरासत में मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बंबई हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। वीबीए अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने यह जानकारी दी। प्रमुख दलित नेता और डॉ। बी।आर। आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर, सूर्यवंशी की मां की ओर से दो अन्य वकीलों के साथ इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। विधि संकाय के 35-वर्षीय छात्र सूर्यवंशी की 15 दिसंबर 2024 को परभणी में न्यायिक हिरासत में मृत्यु हो गई। उन्हें मध्य महाराष्ट्र के इस शहर में एक उपद्रवी द्वारा संविधान की एक प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाने के बाद भड़के हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। दलित कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सूर्यवंशी को पुलिस हिरासत में प्रताड़ित किया गया। उनकी मां ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ का रुख किया। प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या न्यायालय अब अदालत की अवमानना की कार्रवाई शुरू करता है या नहीं। हाई कोर्ट ने चार जुलाई को पुलिस को एक सप्ताह के भीतर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था, लेकिन अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। हमने यह बात सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाई और उसने यह भी पूछा कि प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गई।' उन्होंने दावा किया कि मुंबई के सरकारी जे जे अस्पताल के चिकित्सकों ने सभी तथ्यों पर विचार किए बिना ही मामले में अपनी दूसरी राय दे दी। उन्होंने कहा, 'हम इस मामले में चिकित्सकों को आरोपी बनाने जा रहे हैं, क्योंकि अदालत के आदेश के बिना दूसरी राय नहीं दी जानी चाहिए।'

हुजूर, मुझे इच्छामृत्यु दे दीजिए... जज के सामने ऐसा कहकर क्यों रो पड़े राजद विधायक रीतलाल यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती कानूनी मुश्किलों के बीच, राजद विधायक रीतलाल यादव ने पटना की सिविल कोर्ट में पेशी के दौरान जज के सामने भावुक होकर इच्छामृत्यु की अपील की और रो पड़े। यादव ने जज से कहा कि हुजूर, मुझे इच्छामृत्यु दे दीजिए। मेरे खिलाफ लगातार केस दर्ज किए जा रहे हैं। मेरे लिए लड़ने वाला कोई नहीं है। वह भागलपुर सेंट्रल जेल से पेशी पर आए थे, जहाँ उन्हें पटना की बेउर जेल से स्थानांतरित किए जाने के बाद 1 मई से रखा गया था। सूत्रों के अनुसार, उन्हें भागलपुर के एक उच्च सुरक्षा वाले टी-सेल में रखा गया है, जहाँ कभी डॉन से नेता बने अनंत सिंह रहते थे। राजद के इस कद्दावर नेता ने एक बिल्डर से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में 17 अप्रैल को दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। उन्होंने जज से कहा कि मैं थक गया हूँ। यहाँ मेरे लिए कोई सहारा नहीं है। कृपया मुझे वापस बेउर जेल भेज दीजिए। वह कई मामलों से जूझ रहे हैं, उन्हें एक और विवाद का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उनकी पत्नी रिंकू कुमारी जो एक संविदा सरकारी स्कूल शिक्षिका हैं पर सरकारी सेवा में रहते हुए व्यवसायिक साझेदार बनकर सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

मालेगांव बम धमाका: साध्वी प्रज्ञा समेत सभी 7 आरोपी बरी, कोर्ट ने कहा- पर्याप्त सबूत नहीं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए बम धमाकों के मामले में 17 साल बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर और कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया है। इसके पीछे सबूतों की कमी का हवाला दिया है। बता दें कि 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव में ये धमाके हुए थे, जिनमें 6 लोग मारे गए थे।

कोर्ट ने कहा, एटीएस और एनआईए के चार्जशीट में बहुत अंतर है। अभियोजन पक्ष ये साबित करने में विफल रहा है कि बम मोटर साइकल में था। कोई सबूत नहीं है कि प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया था। ये भी नहीं साबित हो पाया कि किसने बम लगाया था। सबूतों से छेड़छाड़ हुई है। जांच एजेंसियां ये साबित करने में विफल रही की बाइक साध्वी प्रज्ञा की है। बाइक का चेसिस नंबर निकालने में अभियोजन विफल रहा है।

मामले में भोपाल से भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर मुख्य आरोपी थी। उसके अलावा लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, अभिनव भारत संस्था से जुड़े सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी, पुणे निवासी रमेश उपाध्याय और अजय राहिरकर और सुधाकरधर द्विवेदी भी आरोपी थे। इन सभी पर आतंकी साजिश रचने, हत्या और धार्मिक उन्माद फैलाने के आरोप थे। जांच के दौरान एनआईए और एटीएस ने करीब एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया था।

प्रज्ञा ठाकुर पर मालेगांव बम धमाकों की साजिश में शामिल होने का आरोप था। मामले में दाखिल चार्जशीट के अनुसार, वह धमाके की योजना बनाने के लिए हुई बैठकों में शामिल हुई थीं और उन्होंने हमले को अंजाम देने वाले व्यक्ति को खोजने का जिम्मा लिया था। जिस मोटरसाइकिल में धमाका हुआ था, वह भी प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी। उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत मामला चल रहा था। अक्टूबर 2008: महाराष्ट्र एटीएस ने जांच शुरू की, साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित सहित कई लोग गिरफ्तार हुए। 2011: जांच एनआईए को सौंपी गई। 2016: एनआईए ने साध्वी प्रज्ञा और 6 अन्य के खिलाफ मकोका हटाकर नई चार्जशीट दायर की, सबूतों के अभाव का हवाला दिया। 2017: कर्नल पुरोहित और साध्वी प्रज्ञा को जमानत मिल गई। 2018: एनआईए कोर्ट ने आरोप तय किए। 2025: अप्रैल में बहस पूरी हुई। इस दौरान कई गवाह अपने बयान से पलट गए।

उत्तरी महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 200 किलोमीटर दूर स्थित मालेगांव शहर में 29 सितंबर, 2008 को एक मस्जिद के बाहर मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर धमाका किया गया था। इस धमाके में करीब 6 लोगों की मौत हुई थी। मामले की जांच पहले महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा की गई थी, जो बाद में 2011 में एनआईए को स्थानांतरित कर दी गई।

कोर्ट के फैसले के बाद किसने-क्या कहा?

साध्वी प्रज्ञा ने कोर्ट में न्यायाधीश से कहा- मुझे प्रताड़ित और भगवा को बदनाम किया गया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष कोर्ट ने भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर समेत 7 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान साध्वी प्रज्ञा न्यायाधीश अभय लोहाटी के सामने रो पड़ीं और अपनी भावनात्मक पीड़ा को बयां करने से रोक नहीं पाईं। उन्होंने कहा कि उनको गिरफ्तार करके प्रताड़ित किया गया, जिससे उनका पूरा जीवन बर्बाद हो गया। साध्वी प्रज्ञा ने अपने आंसू रोकते हुए

कहा कि उन्होंने वर्षों तक अपमान सहा और बार-बार संघर्ष करना पड़ा, निर्दोष होने के बावजूद भी उन पर अपराध का कलंक लगा दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि आज भगवा ध्वज की जीत है, हिंदुत्व की जीत है। 'भगवा आतंकवाद' का झूठा आख्यान भी आखिरकार झूठा साबित हो गया है। उन्होंने बार-बार आरोपियों को पूछताछ के लिए बुलाए जाने और प्रताड़ित किए जाने पर भी सवाल उठाए। साध्वी प्रज्ञा ने कहा, मैंने शुरू से कहा था कि जांच के लिए बुलाने के पीछे कोई आधार होना चाहिए। मुझे जांच के लिए बुलाया और गिरफ्तार करके प्रताड़ित किया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मुझ पर आरोप लगाए और कोई हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जिंदा हूं क्योंकि सन्यासी हूं। उन्होंने साजिश करके भगवा को बदनाम किया।

जो दोषी हैं उन्हें सजा मिलनी चाहिए- अखिलेश यादव

कोर्ट के फैसले के बाद समाजवादी पार्टी के सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैंने पूरी रिपोर्ट नहीं पढ़ी है, लेकिन जो लोग इतनी बड़ी घटना में शामिल थे, उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

'भगवा आतंकवाद' पर जवाब दे विपक्ष- रवि किशन

एनआईए कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा सांसद रवि किशन ने मामले मे कहा कि हमें समझ नहीं आ रहा कि खुश हों या दुखी। मेरी बहन साध्वी प्रज्ञा मेरे बगल में संसद में बैठती थीं। उनका शरीर आज लगभग लकवाग्रस्त है। उन्होंने कहा कि सोचिए जिन लोगों पर झूठे आरोप लगे, उनके और उनके परिवारों पर क्या बीती होगी। कौन लौटाएगा उनके 17 साल?

सबूत नहीं थे, इसलिए कोर्ट ने बरी किया- रामदास अठावले

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कोर्ट के फैसले पर कहा कि इस केस की सुनवाई कई वर्षों तक चली। अदालत ने सभी आरोपियों को बरी किया क्योंकि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवादी सिर्फ आतंकवादी होता है, उसका कोई धर्म नहीं होता। जब कोर्ट में सुनवाई होती है तो सबूत देना जरूरी होता है।

मालेगांव विस्फोट के आरोपियों के बरी होने पर भड़के ओवैसी, सरकार पर साधा निशाना

ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर निराशा व्यक्त की. उन्होंने इसे जानबूझकर की गई घटिया जांच और प्रॉसिक्यूशन का नतीजा करार दिया. ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख ने एक्स पर लिखा, मालेगांव विस्फोट मामले का फैसला निराशाजनक है. विस्फोट में छह नमाजी मारे गए और लगभग 100 घायल हुए. उन्हें उनके धर्म के कारण निशाना बनाया गया. जानबूझकर की गई घटिया जांच/अभियोजन आरोपियों को बरी किए जाने के लिए जिम्मेदार है. असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, विस्फोट के 17 साल बाद अदालत ने सबूतों के अभाव में सभी आरोपियों को बरी कर दिया. क्या मोदी और फडणवीस सरकारें इस फैसले के खिलाफ उसी तरह अपील करेंगी जैसे उन्होंने मुंबई ट्रेन विस्फोटों में आरोपियों को बरी करने के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी?

'कांग्रेस का सनातन विरोधी चरित्र हुआ उजागर', मालेगांव विस्फोट केस के फैसले पर बोले मुख्यमंत्री योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी किए जाने को लेकर गुरुवार को कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि यह फैसला पार्टी के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को उजागर करता है। योगी ने एक्स पर लिखा कि मालेगांव विस्फोट प्रकरण में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की सजीव उद्घोषणा है।

योगी आदित्यनाथ ने आगे लिखा कि यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को पुनः उजागर करता है, जिसने 'भगवा आतंकवाद' जैसा मिथ्या शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों और राष्ट्रसेवकों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है। कांग्रेस को अपने अक्षम्य कुकृत्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए देश से माफी मांगनी चाहिए। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने कल सदन में भी कहा कि दर्शनशास्त्र के अनुसार हिंदू आतंकवादी नहीं हो सकते क्योंकि हमारी संस्कृति और हमारी सभ्यता कभी भी आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देती। लेकिन कांग्रेस के शासन में एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए एक शब्द गढ़ा गया- 'हिंदू आतंकवाद'।

भाजपा नेता ने कहा कि हिंदू और आतंक दो विपरीत अवधारणाएँ हैं। हिंदू कभी आतंक में विश्वास नहीं करते और हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकते। मेरे लिए - यह अत्यंत संतोष की बात है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संसद में जो कुछ भी कहा, आज मुंबई की एक अदालत ने भी हिंदू आतंक की अवधारणा को ध्वस्त कर दिया और जो भी 'हिंदू आतंक' के नाम पर आरोपी थे, सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। कांग्रेस ने भगवा आतंक की साजिश रची और उसे फैलाना शुरू कर दिया... अदालत ने पाया कि मोटरसाइकिल का कोई सबूत या चेसिस नंबर नहीं था। गवाहों ने भी कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया गया और बयान देने के लिए मजबूर किया गया।

अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि चिदंबरम केवल पाकिस्तान को प्रमाण पत्र नहीं देते। उन्होंने गृह मंत्री रहते हुए भगवा आतंक का मुद्दा उठाया और एक नैरेटिव बनाने की साजिश रची... राहुल गांधी सच्चाई से क्यों भाग रहे हैं? सोनिया गांधी और राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए। क्या अभियोजन पक्ष माफी मांगेगा? साध्वी प्रज्ञा को जिस तरह से प्रताड़ित किया गया, मैं खुलकर नहीं कह सकता। जिन लोगों पर झूठा आरोप लगाया गया उन्हें मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए जिन्होंने उन पर झूठा आरोप लगाया।

अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ को लेकर संसद में हंगामा तय, कांग्रेस ने बहस का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने का एक और मौका मिल गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप द्वारा बार-बार युद्ध विराम की घोषणा करने पर विपक्ष पहले से ही केंद्र से सफाई मांग रहा है, ऐसे में टैरिफ मुद्दा सामने आने पर उसे एक और मौका मिल गया। कांग्रेस ने गुरुवार को स्थगन प्रस्ताव पेश कर संसद में बहस की मांग की है।

अमेरिका द्वारा टैरिफ की घोषणा के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लिया था। पार्टी ने एक्स पर लिखा, ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ ठोक दिया, साथ ही पेनल्टी भी लगाई। नरेंद्र मोदी की दोस्ती का खामियाजा देश भुगत रहा है। मोदी ने ट्रंप का प्रचार किया। लपक-लपककर गले मिले। फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया में ट्रेंड कराया। आखिर में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ ठोक दिया। भारत की विदेश नीति पूरी तरह फेल हो चुकी है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगा दिया है। उनके और हाउडी मोदी के बीच हुई इस सारी तारीफ का कोई मतलब नहीं रह गया है। मोदी जी ने सोचा था कि अगर वे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानजनक शब्दों पर चुप रहे, तो राष्ट्रपति ट्रंप के हाथों भारत को विशेष व्यवहार मिलेगा। जाहिर है कि ऐसा नहीं हुआ है।

30 साल बाद मनोज तिवारी उठाएंगे कांवड़, बिहार से झारखंड के बैद्यनाथ मंदिर तक करेंगे पैदल यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद मनोज तिवारी बिहार से झारखंड के बैद्यनाथ मंदिर तक कांवड़ यात्रा करेंगे। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी गुरुवार को बिहार के सुल्तानगंज से झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक 100 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी कांवड़ यात्रा पैदल करेंगे। आज से शुरू होकर उनकी ये यात्रा 3 अगस्त को समाप्त होगी।

तीसरी बार लोकसभा सांसद बने तिवारी ने कहा, 30 साल बाद, मैं फिर से बाबाधाम की कांवड़ यात्रा करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि वह भगवान शिव से दिल्ली और बिहार के लोगों सहित सभी पर कृपा करने की प्रार्थना करेंगे।

बता दें, मनोज तिवारी दिल्ली बीजेपी का अहम हिस्सा और पार्टी का एक प्रमुख पूर्वांचली चेहरा हैं। बतौर नेता कांवड़ यात्रा पर जाने वाले तिवारी पहले नेता होंगे। इससे पहले राजधानी दिल्ली में सीएम रेखा गुप्ता ने कांवड़ियों के लिए पुख्ता इंतजामात किए थे।

पूरी दिल्ली में 200 से ज्यादा कांवड़ शिविर लगाए गए। सीएम रेखा ने साफतौर पर ऐलान किया था कि कांवड़ यात्रा पर जाने वाले भक्तों के लिए किए गए इंतजामों में किसी भी तरह की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सावन मास की पवित्र अवधि में कांवड़ यात्रा की शुरुआत 11 जुलाई 2025 से हुई और यह शिवरात्रि 23 जुलाई को सभी शिव भक्तों ने भोले नाथ को जल अर्पित कर अपनी यात्रा संपन्न की।

कैबिनेट का मेगा फैसला : रेलवे नेटवर्क का विस्तार, किसानों की आय बढ़ाने को बड़ी सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को घोषणा की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छह राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों को कवर करने वाली चार मल्टीट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंज़ूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 574 किलोमीटर का विस्तार होगा। पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत नियोजित इन परियोजनाओं में इटारसी-नागपुर चौथी लाइन, छत्रपति संभाजीनगर-परभणी दोहरीकरण, अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन, और डांगोआपोसी-जरोली तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं।

रेल मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नए भारत' और देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ये परियोजनाएँ 2,300 से ज़्यादा गाँवों तक कनेक्टिविटी बढ़ाएँगी। रेलवे ने कहा कि लाइन क्षमता में वृद्धि से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं।

वैष्णव ने घोषणा की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के लिए परिव्यय को 1,920 करोड़ रुपये बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ी हुई धनराशि का उपयोग 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अनुमोदन में घटक योजना- एकीकृत शीत श्रृंखला और मूल्यवर्धन अवसंरचना (आईसीसीवीएआई) और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं (एफटीएल) के अंतर्गत 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए 1,000 करोड़ रुपये शामिल हैं।

यूपी में महिला सिपाही का कत्ल: तीन दिन से लापता थी विमलेश... अपनों ने भी न ली सुध, यहां ऐसे हाल में मिली लाश

आईजी व एसपी ने दिया कंधा

बाराबंकी के मसौली थाना इलाके में मिले महिला सिपाही विमलेश पाल के शव का अंतिम संस्कार पोस्टमार्टम के बाद देर शाम को शहर के कमरियाबाग श्मशान में किया गया। इससे पहले पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में महिला सिपाही के शव को आईजी अयोध्या प्रवीण कुमार व एसपी अर्पित विजय वर्गीय समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर कंधा भी दिया।

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में महिला सिपाही की हत्या का मामला सामने आया है। तीन दिन से लापता सिपाही की लाश खेत में क्षत-विक्षत हालत में मिली। लापता महिला सिपाही की अपनों ने भी सुध नहीं ली। वहीं, हाईवे पर सुरक्षा निगरानी को भी पोल खुल गई है।

दरअसल, महिला कांस्टेबल विमलेश पाल की हत्या ने पुलिस महकमे की कार्यशैली और महादेवा मंदिर परिसर के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। महिला सिपाही 27 जुलाई को ड्यूटी के लिए सुबेहा थाने से महादेवा के लिए निकली थीं, लेकिन वहां पहुंचीं ही नहीं। इस दौरान उनकी गैरहाजिरी की रपट भी दर्ज हुई पर उन्हें खोजने की कोशिश न तो पुलिस ने की और न ही उनके अपनों ने कोई सुध ली। हद तो यह है कि 29 जुलाई को उनकी ड्यूटी सतरिख के मजीठा मेले में भी लगी थी, लेकिन वहां भी वह नहीं पहुंचीं। इस पर क्या कार्रवाई हुई, इस संबंध में सतरिख पुलिस कुछ भी कहने से पूरे दिन बचती रही। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर कैसे एक महिला सिपाही तीन दिनों तक लापता रहीं और किसी ने भी उनकी खोज खबर भी लेना मुनासिब नहीं समझा। वहीं, महादेवा मेला में सावन के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा निगरानी को लेकर बाराबंकी से रामनगर तक पेट्रोलिंग और चौकसी का दावा करने वाली पुलिस भी हाईवे के बगल अपनी सहयोगी के पड़े शव के बारे में कुछ जान तक नहीं पाई। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इसे लापरवाही की जगह सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर चूक मानते हुए, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

सिर पर भारी चीज से किया गया वार

पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला सिपाही विमलेश पाल की मौत सिर पर किसी भारी चीज की चोट के कारण हुई है। सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट के निशान भी मिले हैं। हालांकि रामनगर थानाध्यक्ष का कहना है कि अभी अधिकृत रूप से कुछ नहीं कह सकते हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

महिला सिपाही की हत्या, खेत में मिला शव

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में बहराइच-बाराबंकी हाईवे के पास बिंदौरा गांव के निकट बुधवार सुबह सुबेहा थाने में तैनात महिला सिपाही विमलेश पाल का शव क्षत-विक्षत हालत में खेत में पड़ा मिला। बहन पूजा पाल की तहरीर पर हरदोई में तैनात सिपाही इंद्रेश मौर्या के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आईजी अयोध्या प्रवीण कुमार भी मौके पर पहुंचे।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि विमलेश पाल सुल्तानपुर के जयसिंहपुर कोतवाली के भभोट गांव की रहने वाली थीं। उसकी ड्यूटी 27 जुलाई को महादेवा मंदिर के गर्भगृह में लगाई गई थी, लेकिन वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचीं। घटना स्थल से एक स्कूटी बरामद हुई है, जो सिपाही इंद्रेश मौर्या के नाम पर पंजीकृत है।

मोबाइल फोन के कॉल डिटेल और फोरेंसिक जांच में प्रथम दृष्टया इंद्रेश की भूमिका संदिग्ध है। वह पहले बाराबंकी में ही तैनात था। एसपी के अनुसार, 2024 में विमलेश पाल ने इंद्रेश पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। बाद में अदालत में शपथपत्र देकर दोनों ने सुलह कर ली। कोर्ट में दोनों ने शादी कर साथ रहने की बात कही थी।

कुछ दिनों से दोनों में फिर अनबन शुरू हो गई थी। विमलेश पाल के पिता रामभरत पाल पुलिस विभाग में फॉलोअर थे। उनकी मौत के बाद तीसरे नंबर की बेटी विमलेश 2017 में पुलिस में भर्ती हुई। वह बाराबंकी के सुबेहा थाने के पास किराए के कमरे में रहती थी। बहन पूजा पाल ने बताया कि 27 जुलाई को विमलेश ने फोन कर बताया था कि इंद्रेश उसे मार देगा। आरोप लगाया कि इंद्रेश ने अपने भाई के साथ मिलकर विमलेश को मार डाला।

घटनास्थल की जांच के बाद हरदोई में तैनात सिपाही इंद्रेश मौर्या की संलिप्तता लग रही है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। शीघ्र खुलासा करने का निर्देश दिया गया है। **प्रवीण कुमार, आईजी अयोध्या मंडल**

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों ने दिए पर्यावरण संरक्षण के संदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। सूर्या एकेडमी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, अमहट में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कक्षा 9 से 12 तक के लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया और विज्ञान के विभिन्न मॉडल तथा प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त समाज और पौधारोपण जैसे विषयों पर आधारित प्रयोगात्मक मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में बच्चों की रचनात्मकता और नवाचार देखने योग्य रहा, जिसे अभिभावकों व अतिथियों ने खूब सराहा। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती रंजना शंकर श्रीवास्तव, प्रधानाचार्या मंजू सेन और उपप्रधानाचार्य प्रदीप सर के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन में सरिता मैम, अमीतेश सर, मोहित सर, किरण मैम सहित समस्त शिक्षकगण ने विशेष सहयोग किया। प्रधानाचार्या मंजू सेन ने बताया कि छात्रों के ऐसे प्रयास न केवल उनके कौशल को निखारते हैं, बल्कि समाज को जागरूक करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भवानीगढ़-भोलागंज मार्ग से पूरे तुलाराम संपर्क मार्ग जर्जर

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत रैंचा के भवानीगढ़ भोलागंज मार्ग से ग्राम पूरे तुलाराम संपर्क मार्ग जर्जर होने से ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया है। ग्रामीण एक किलोमीटर की दूरी तय करके निकट की बाजार तक पंहुच रहे है ग्रामीणो ने बताया कि कई वर्ष पूर्व संपर्क मार्ग पर खड़ंजा का निर्माण करवाया गया था लेकिन जिम्मेदार लोगों की अनदेखी के चलते उक्त मार्ग का मरम्मती करण नही करवाया गया जिससे अब यह मार्ग पूर्णतयः क्षतिग्रस्त हो चुका है। ग्रामीण सूर्यभान मिश्रा ने बताया कि बरसात के मौसम में यह रास्ता दलदल में बदल जाता है मार्ग पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व निकली नर्मदेश्वर महाराज की शोभायात्रा

सुल्तानपुर। केएनआई कस्बे में स्थित प्राचीन शिव मंदिर के जीणोद्धार के साथ नवीन शिवलिंग की स्थापना से पूर्व बस्ती में शोभा यात्रा निकाली गई। यज्ञ आचार्य डॉ0 अखिलेश उपाध्याय की देख रेख में पांच बाह्मण विद्वानों द्वारा विधि विधान से निकला। ॐ नमः शिवाय की जय घोष एवं नगाड़े की गगनभेदी आवाज से पूरे बस्ती का वातावरण पवित्र एवं मंत्र मुग्ध हो गया। सभी एक साथ हर हर बम बम के साथ जब गलियों में निकले तो पूरा मोहल्ला देखने निकल पड़ा। क्या बच्चे क्या बूढ़े सब छतों पर से देखने लगे। और शिवलिंग को श्रद्धा से प्रणाम करते हुए पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश, जिला कार्यवाह भानू, सह जिला कार्यवाह शक्ति पाठक, जिला प्रचारक आशीष, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ0 आर ए वर्मा, डॉ0 डीएस मिश्रा, सर्वेश मिश्रा, रामेंद्र सिंह राणा, आलोक आर्या, नगर प्रचारक सुशील, अनिल पाण्डेय सहित सैकड़ों संघ कार्यकर्ता सहित हिन्दू समाज की माता भगिनी भी उपस्थित हैं।

गले और पेट मे दर्द, शरीर मे ऐंठन... मामा-भांजे की तड़प-तड़प कर मौत, सबका यही सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। यूपी के अलगीढ़ में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां मामा और भांजे की पांच मिनट के अंतराल में तड़प-तड़प कर मौत हो गई। दोनों की मौत किस वजह से हुई यह भी सवाल बना हुआ है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना लोधा के गांव नंदपुर पला की है। बताया जा रहा है कि मामा अलीम (34) और भांजा भांजा साकिब (7) दोनों रात में खाना खाने के बाद सो गए थे। जैसे ही सुबह उनकी आंख खुली तो दोनों के गले और पेट में दर्द होने लगा, शरीर में ऐंठने होने लगी। असहनीय दर्द से दोनों चिल्लाने लगे। जिसके बाद परिजनों में हड़कंप मच गया। अस्पताल ले जाने का भी समय नहीं मिला। अस्पताल ले जाने से पहले ही मामा-भांजे की पांच मिनट के अंतराल में तड़प-तड़प कर मौत हो गई। सांप या किसी जहरीले कीड़े के काटने की चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि ऐसे हो सकता है कि किसी जहरीले कीड़े या सांप ने उन्हें काट लिया हो। फिलहाल दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जिसके बाद मौत के कारण के बारे में पता चल पाएगा।

नई नवेली दुल्हन ने नहीं की डिमांड पूरी, दूल्हे ने मुंह में थूक दिया गुटखा... रोते बिलखते पुलिस को सुनाई पूरी कहानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया कि उसके पति ने शादी के चार दिन बाद ही महिला के साथ मारपीट की और फिर गुटखा खाकर जबरदस्ती उसके मुंह में थूक दिया। महिला ने बताया कि उसका पति शादी के चार दिन बाद से ही लगातार उससे दहेज की मांग कर रहा है और दहेज को लेकर उसके साथ शराब पीकर मारपीट करता है।

ये मामला गोरखपुर के एम्स इलाके से सामने आया है। यहां बहरामपुर की रहने वाली एक महिला की शादी एक जून को एम्स इलाके के ही कैथवलिया के रहने वाले युवक से हुई थी। महिला के पिता की पहले ही मौत हो गई थी। ऐसे में महिला की शादी उसके भाई ने कराई थी। भाई ने बहन की शादी में 5 लाख रुपये नकद, जेवरात और घरेलू सामान दिया था, लेकिन महिला के ससुराल वालों और पति को ये कम लग रहा था। पति से तंग आकर महिला ने पुलिस में शिकायत की। महिला की शिकायत के आधार पर उनके ससुराल वालों और पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। महिला ने शिकायत में बताया कि उसका पति शादी के चार दिन बाद से ही उसे प्रताड़ित कर रहा है। शराब पीकर घर आता है और साथ मारपीट करता है। महिला ने कहा कि एक बार पति ने पहले मारपीट की और फिर जबरदस्ती मुंह पकड़कर महिला के मुंह में गुटखा थूक दिया। इससे महिला को उल्टियां आने लगी और उसकी तबीयत भी खराब हो गई।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

महिला ने आगे बताया कि उसका पति मारपीट कर उसके साथ अप्राकृतिक संबंध बनाता है। जब महिला ने इसकी शिकायत अपने सास-ससुर से की तो उन्होंने बेटे को समझाने के बजाय उलटा महिला को ही दहेज के ताने दिए। ऐसे में महिला ने एक दिन अपने मायके जाना का फैसला किया और 16 जुलाई को अपने भाई के साथ मायके चली गई। इसके बाद महिला ने स्त्रीधन वापस करने की मांग करते हुए ससुराल वालों और पति के खिलाफ केस दर्ज कराया। अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

राजकीय वाहन चालक महासंघ अध्यक्ष हुए सेवानिवृत्त

सुल्तानपुर। जिले के राजकीय वाहन चालक महासंघ के अध्यक्ष व जिला विकास अधिकारी के सहयोगी शिव शंकर दुबे अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विकास भवन के प्रेरणा सभागार में एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीडीओ अंकुर कौशिक ने श्री दुबे के सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा, शिव शंकर दुबे ने अपनी जिम्मेदारियों का सदैव निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन किया। विभाग उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। जिला विकास अधिकारी गजेंद्र कुमार तिवारी ने कहा, कर्मचारी कभी रिटायर नहीं होता, उसका अनुभव और मार्गदर्शन हमेशा संस्थान के लिए अमूल्य होता है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने श्री दुबे के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय भविष्य की कामना की। शिव शंकर दुबे ने कहा मेरी सेवा यात्रा में मिले सहयोग, सम्मान और स्नेह को कभी नहीं भूलूंगा।

दंपती की हत्या को लेकर बवाल : दो संदिग्धों को पीटा, छुड़ाने गई पुलिस से धक्का-मुक्की-पथराव, छावनी बना गांव

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर के नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव पुरैना में दंपति की हत्या के अगले ही दिन माहौल और गर्मा गया। गांव में दो अज्ञात युवकों को देखकर ग्रामीणों ने उन्हें संदिग्ध समझ लिया और पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों संदिग्धों को ग्रामीणों के कब्जे से छुड़ाने की कोशिश की। लेकिन तभी भारी भीड़ इकट्ठा हो गई और लाठी-डंडे लेकर पुलिस के सामने खड़ी हो गई। पुलिस को चारों ओर से घेर लिया। अतिरिक्त फोर्स ने पहुंचकर मामला संभाला।

बताया गया कि ग्रामीणों ने पुलिस कर्मियों से नोंकझोंक और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने बल प्रयोग किया और किसी तरह दोनों संदिग्धों को भीड़ से छुड़ाया।

ग्रामीणों ने पुलिस को घेरा, खड़ी कर दीं बुग्गियां

बताया गया कि ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस को चारों ओर से घेरने के लिए रास्तों में बुग्गी तक खड़ी कर दी गईं। अचानक हुए इस घटनाक्रम से पुलिस भी सकते में आ गई और तत्काल अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। बाद में हालात काबू में लाए गए और गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भीड़ में शामिल कई लोगों की पहचान शुरू कर दी है। ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, रास्ता रोकने और कानून व्यवस्था भंग करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गांव में पहले ही दंपती की हत्या से तनाव था और अब पुलिस पर हमले की घटना के बाद माहौल और अधिक संवेदनशील हो गया है। एहतियातन गांव में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

भरे बाजार गैंगस्टर सलीम का कत्ल... तीन किमी तक हथियार लेकर किया पीछा, पुलिस चौकी के पास मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। यूपी के मेरठ में गैंगस्टर सलीम उर्फ दीवाना उर्फ मोगली की हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खोल दी है। आरोपी लगभग तीन किलोमीटर तक सलीम का हथियार लेकर पीछा करते रहे। सिविल लाइन बाजार में आरोपियों ने पुलिस चौकी के सामने वारदात की और हथियार लहराते हुए भागने में कामयाब हो गए। इस वारदात के बाद शहर मे सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

परिजनों की मानें तो प्रॉपटी डीलर सलीम उर्फ दीवाना को काफी दिनों से धमकी मिल रही थी, लेकिन उसको यह नहीं पता था कि आरोपी उसकी हत्या कर सकते हैं। बुधवार को एक पुराने हत्या के प्रयास के मामले में तारीख थी। सलीम बुधवार को तारीख पर कचहरी गया था।

एक बैनामा भी लिखवाना था। बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह बाइक पर सवार होकर कचहरी से घर के लिए चला। लिसाड़ी गेट के शालीमार गार्डन निवासी साजिद भी उसके साथ कचहरी गया था। वह अपनी बाइक पर था। दोनों बदमाश भी कचहरी से ही पीछा कर रहे थे। जब सलीम सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वा शेखलाल मस्जिद से आगे हाशिमपुरा पुलिस चौकी के पास पहुंचा, तभी बाइक सवार बदमाशों ने सलीम के गोली मारकर हत्या कर दी।

इस दौरान लोगों ने शोर भी मचाया लेकिन पुलिस चौकी से बाहर निकलकर नहीं आई। कुछ देर बाद पुलिस बाहर आई और थाना पुलिस भी पहुंची। इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल की गई। पुलिस के इस रवैये को लेकर लोगों में आक्रोश था। सुरक्षा के लिहाज से सिविल लाइन के अलावा कोतवाली, लिसाड़ी गेट, नौचंदी समेत अन्य थानों का भी फोर्स सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने मौके पर बुला लिया।

गैंगस्टर के मुकदमे में भेजा था जेल

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मृतक के खिलाफ नौचंदी थाने में गैंगस्टर का मुकदमा वर्ष 2019 में दर्ज हुआ था। इस मामले में कई बार सलीम तारीख पर नहीं गया। इसके चलते कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिए थे। कुछ दिन पहले पुलिस ने सलीम को गिरफ्तार किया था। शनिवार को जेल से जमानत पर सलीम रिहा हुआ था। परिवार में उसकी पत्नी के अलावा 13 साल की बेटी और तीन साल का बेटा है।

सलीम पर 12 से अधिक मुकदमे हैं दर्ज

सलीम पर शहर के विभिन्न थानों में 12 से अधिक संगीन अपराधों के मामले दर्ज है। लिसाड़ीगेट, सिविल लाइन, ब्रहमपुरी, नौचंदी, थाना मेडिकल कॉलेज में उसके खिलाफ गैंगस्टर, गुंडाएक्ट, हत्या के प्रयास, 7 क्रिमनल लॉ एक्ट, पुलिस पर हमला, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट आदि के मुकदमे दर्ज हैं।

सीसीटीवी की फुटेज कब्जे में ली, तीन टीम लगाई

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास से लेकर कचहरी और रास्ते के तमाम सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ली है। इन फुटेज के जरिये पुलिस हत्यारों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि मृतक के भाई उस्मान की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ हत्या का नामजद मामला दर्ज किया है। रंजिश में हत्या की बात सामने आ रही है। देर रात मृतक के भाई उस्मान की तहरीर पर सिविल लाइन पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। हत्या की वजह प्रोपर्टी और रंजिश बताई गई। हत्याकांड के खुलासे के लिए एसपी सिटी के निर्देशन में पुलिस की तीन टीम लगाई गई है।

हत्याओं से थर्राया शहर, उठ रही पुलिस कमिश्नरेट की मांग

शहर में हत्या की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। पुलिस चौकी के सामने सरेआम हत्या करने के बाद आरोपी भागने में कामयाब हो रहे हैं। तीन दिन में तीन हत्याएं हो चुकी हैं। इसके चलते एक बार फिर मेरठ में पुलिस कमिश्नरेट की मांग उठने लगी है। 26 जुलाई को लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में राधना वाली गली में कपड़ा कारोबारी अबरार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एलानिया कत्ल किया गया था। 27 जुलाई को लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में समर गार्डन चौकी इलाके में शौकीन गार्डन में एक युवक की पीटकर हत्या कर दी। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी। 29 जुलाई को परतापुर थाना क्षेत्र के रिटायर्ड होमगार्ड के युवा बेटे ऋतिक की पड़ोसी युवक ने फरसे से गर्दन काटकर हत्या कर दी थी।

हाशिमपुरा पुलिस चौकी के पास गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या

मेरठ के सिविल लाइन थाना इलाके की हाशिमपुरा पुलिस चौकी के पास बुधवार शाम गैंगस्टर सलीम उर्फ दीवाना उर्फ मोगली (45) की बाइक सवार दो आरोपियों ने सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुटी है और तहरीर का इंतजार कर रही है।

शनिवार को जेल से छूटकर आया था सलीम उर्फ दीवाना उर्फ मोगली

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस के मुताबिक, लोहियानगर थाना क्षेत्र के पहलवान नगर निवासी सलीम उर्फ दीवाना उर्फ मोगली प्रोपर्टी डीलिंग का भी काम करता था। वह शनिवार को जेल से जमानत पर बाहर आया था। बुधवार को वह जानलेवा हमले के केस की तारीख पर और एक जमीन का बैनामा कराने कचहरी गया था। बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह शालीमार गार्डन निवासी अपने परिचित साजिद बाइक पर सवार होकर कचहरी से घर जा रहा था। इसी दौरान सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पूर्वा शेखलाल मस्जिद से आगे हाशिमपुरा पुलिस चौकी के पास पीछे से आए बाइक सवार आरोपियों ने गोली मार दी। गोली सलीम की पीठ में लगकर सीने से पार निकल गई। सलीम बाइक समेत वहीं गिर गया और उसकी मौत हो गई।

संक्षेप

ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने की प्रदेशव्यापी समीक्षा बैठक, जन शिकायतों के त्वरित समाधान और बेहतर विद्युत सेवा पर दिया जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने आज प्रदेश के सभी जनपदों के विद्युत विभाग अधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से व्यापक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जन समस्याओं के समाधान, जनप्रतिनिधियों से संवाद, और सेवा गुणवत्ता के स्तर को सुधारने पर विशेष बल दिया गया।ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी को अपने जनपद में जनप्रतिनिधियों से निरंतर संवाद बनाए रखना होगा और क्षेत्रीय समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र हल करना होगा। उन्होंने कहा कि "जनसुनवाई, जवाबदेही और समयबद्ध कार्यवाही ऊर्जा विभाग की कार्यसंस्कृति का अनिवार्य अंग बननी चाहिए।"बैठक के दौरान ए. के. शर्मा ने स्पष्ट किया कि विद्युत सेवाओं में लापरवाही, टालमटोल या जनसमस्याओं की अनदेखी को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर उपभोक्ता को 24 घंटे सातों दिन बेहतर बिजली सेवा प्राप्त हो और शिकायतों का समाधान तय समय-सीमा में हो।

स्कूलों की बंदी पर योगी सरकार के रुख में बदलाव को आप ने बताया बच्चों की आंशिक जीत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों के विलय और बंदी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) के लंबे संघर्ष को एक आंशिक सफलता मिली है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने दबाव में आकर अपने फैसले में कुछ बदलाव किए हैं, जिससे कई स्कूल अब बंद होने से बच जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी भी बड़ी संख्या में स्कूलों को बंद करने की योजना बनी हुई है और इस फैसले के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।संजय सिंह ने कहा कि यह आंशिक जीत बच्चों, उनके अभिभावकों और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं की है, जिन्होंने लगातार सड़कों पर उतरकर आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के स्कूल अब बंद नहीं होंगे, उनके माता-पिता को मैं दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। प्रदेश में सभी बच्चों के स्कूल बचाने के लिए आगामी 2 अगस्त को लखनऊ में 'स्कूल बचाओ आंदोलन' आयोजित किया जाएगा।आप सांसद ने सरकार के स्कूल विलय फैसले को खतरनाक करार देते हुए कहा कि वह खुद ऐसे कई गांवों में गए, जहां स्कूलों को तीन-तीन किलोमीटर दूर शिफ्ट कर दिया गया था।

लखनऊ नगर निगम का समाधान दिवस 1 अगस्त को, नागरिकों की समस्याओं के मौके पर होगा निस्तारण

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु प्रत्येक माह के पहले शुक्रवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन इस बार 1 अगस्त को किया जाएगा। यह कार्यक्रम त्रिलोकनाथ सभागार, नगर निगम मुख्यालय, लालबाग में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगा, जिसमें नागरिक सीधे अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। नगर निगम के अनुसार इस समाधान दिवस में घर के टैक्स निर्धारण, जल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, सड़कों की मरम्मत, सीवर लाइन और कूड़ा उठान जैसी समस्याओं से जुड़े विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। विशेष रूप से जीआईएस सर्वेक्षण के उपरांत कर निर्धारण को लेकर जिन भवन स्वामियों ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं, उनके समाधान हेतु यह दिवस अत्यंत उपयोगी रहेगा।नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए समय से समाधान दिवस स्थल पर पहुंचें और अपने सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लाएं, ताकि मौके पर ही त्वरित कार्यवाही की जा सके। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि समाधान दिवस केवल शिकायतों का निस्तारण भर नहीं है, बल्कि यह नगर निगम और नागरिकों के बीच संवाद और विश्वास को प्रगाढ़ करने का माध्यम भी है। यह पहल नागरिकों को एक ही छत के नीचे सभी संबंधित विभागों की उपस्थिति में समस्या समाधान की सुविधा प्रदान करती है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है।नगर निगम लखनऊ का यह प्रयास शहरी प्रशासन को पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिकों की पहुंच में बनाए रखने की दिशा में एक सराहनीय और संवेदनशील पहल के रूप में देखा जा रहा है।

लखनऊ में अवैध हुक्का बार पर ठाकुरगंज पुलिस की कार्रवाई, तीन युवक गिरफ्तार

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित "गुम्बद व्यू कैफे" में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार पर पुलिस ने छापा मारकर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। यह हुक्का बार यूनिटी कॉलेज के पास चलाया जा रहा था, जहां कम उम्र के लड़कों को यह कहकर बुलाया जाता था कि कैफे पूरी तरह वैध है और उन्हें यहां आने की अनुमति है। लेकिन हकीकत यह थी कि युवाओं को बिना किसी लाइसेंस के नशीले हुक्का फ्लेवर परोसे जा रहे थे और उन्हें धीरे-धीरे नशे की लत में धकेला जा रहा था।पुलिस को इस अवैध गतिविधि की सूचना 30 जुलाई को मिली थी। सूचना में कहा गया था कि गुम्बद व्यू कैफे में नाबालिगों को भी हुक्का पिलाया जा रहा है और यह जगह धीरे-धीरे नशे का केंद्र बनती जा रही है। सूचना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए ठाकुरगंज थाना प्रभारी की अगुवाई में पुलिस टीम ने कैफे पर दबिश दी। दबिश के दौरान तीन युवक – कुनाल मिर्जा, सैय्यद मोहम्मद हसन और आर्यन कश्यप को मौके से गिरफ्तार किया गया।पुलिस को मौके से तीन हुक्का सेट, तीन पाइप, तीन चिलम (चालू हालत में), एक चिमटा, चार पैकेट फ्लेवर तंबाकू और एक पैकेट कोयला बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए युवक बिना किसी वैध अनुमति के हुक्का बार चला रहे थे और यह स्पष्ट रूप से एक आपराधिक गतिविधि थी, जिससे न सिर्फ कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही थी, बल्कि क्षेत्रीय युवाओं को भी नशे के दलदल में धकेला जा रहा था।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई है – कुनाल मिर्जा, उम्र 25 वर्ष, निवासी छोटे साहब आलम रोड, थाना सहादतगंज; सैय्यद मोहम्मद हसन, उम्र 20 वर्ष, निवासी फाजिल नगर, थाना सहादतगंज; और आर्यन कश्यप, उम्र 19 वर्ष, निवासी ऐशबाग राजेन्द्र नगर, थाना बाजारखाला।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा, पर्यटन, पशुपालन और सामाजिक कल्याण योजनाओं से बदलेगा जनजीवन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाएं अब केवल कागजों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने लगी हैं। 31 जुलाई को विभिन्न विभागों की ओर से दी गई अद्यतन जानकारियों से स्पष्ट होता है कि शिक्षा, पर्यटन, पशुपालन और सामाजिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योजनाओं का क्रियान्वयन तेज गति से हो रहा है और इनके परिणाम भी अब धरातल पर दिखाई देने लगे हैं।शिक्षा के क्षेत्र में सरकार का फोकस नवाचार और गुणवत्तापरक अधोसंरचना पर है। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि प्राथमिक विद्यालयों के पेयरिंग की प्रक्रिया को लेकर व्याप्त भ्रांतियां निराधार हैं। यह विद्यालयों को बंद करने की योजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संसाधनों और शैक्षणिक गुणवत्ता के अधिकतम उपयोग की एक सुविचारित प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत प्रदेश के 96 प्रतिशत से अधिक विद्यालयों को आवश्यक अवस्थापना सुविधाएं प्रदान की जा चुकी हैं। वहीं 1.26 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति के साथ ही मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय और पीएम श्री योजना के तहत अत्याधुनिक स्कूलों की स्थापना की जा रही है, जो राज्य के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने में सक्षम होंगे।पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन के क्षेत्र में भी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट, लखनऊ में बीबीए (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) पाठ्यक्रम में प्रवेश की तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। यह पाठ्यक्रम प्रदेश के युवाओं को पर्यटन उद्योग के लिए प्रशिक्षित करता है और उन्हें स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक रोजगार के अवसर प्रदान करता है। पूरी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन है, जिससे छात्रों को पारदर्शी और सुगम प्रणाली के माध्यम से आवेदन करने का अवसर मिल रहा है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इसे प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है।पशुपालन विभाग ने गो-सेवा और पशुधन संरक्षण के क्षेत्र में ठोस पहल करते हुए सात जनपदों में 14 नए अस्थायी गो-आश्रय स्थलों के निर्माण के लिए 11.21 करोड़ रुपये की द्वितीय किश्त जारी की है। इसके साथ ही पशुरोग निदान प्रयोगशालाओं के संचालन हेतु 77.01 लाख रुपये की धनराशि भी स्वीकृत की गई है। पशुपालन विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि इन सभी परियोजनाओं का संचालन पारदर्शिता और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों के अनुसार हो, जिससे पशुपालकों और निराश्रित गोवंशों को समुचित संरक्षण मिल सके।पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा भी योजनाओं को समयबद्ध और प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने आज समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ बिना किसी देरी और भेदभाव के पहुंचे। वर्तमान वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही प्रदेश के 11.32 लाख दिव्यांगजनों और 12,692 कुष्ठावस्था पेंशन लाभार्थियों को नियमित पेंशन वितरित की गई है। इसके साथ ही विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में नामांकन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है, जिसकी अंतिम तिथि 10 अगस्त निर्धारित की गई है।इन सभी योजनाओं और पहलों से यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है, जो आमजन के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। शिक्षा, पर्यटन, पशुधन संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर केंद्रित यह प्रयास न केवल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएंगे, बल्कि एक समावेशी और टिकाऊ विकास के मॉडल की स्थापना में भी सहायक होंगे।

फर्जी और कूट रचित दस्तावेज से जमीन का बैनामा कर 10 लाख ठगने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र में दो युवकों ने फर्जी और कूट रचित दस्तावेज से एक व्यक्ति को 10 लाख रुपए में जमीन बेच दी, पीड़ित को न जमीन मिली न ही रुपए वापस मिले, पीड़ित ने बीते 14 सितंबर 2024 को सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर दी थी।

पुलिस आरोपियों की तलाश में थी,जिन्हें गुरुवार को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक पीड़ित को रवि प्रकाश और अमित कुमार ने खसरा सं0 580 ग्राम सेवई में प्लाट देने का झांसा दिया था,जब कि उपरोक्त जमीन उनके नाम नहीं थी। धोखाधड़ी करते हुए फर्जी व कूटरचित दस्तावेज दिखा कर छलपूर्वक विभिन्न माध्यमों से 10 लाख रूपये लेकर सरोजनीनगर तहसील में दिनांक बीते 19 अक्टूबर 2023 को फर्जी बैनामा कर दिया।

जमीन पर कब्जा देने के लिए कहने पर जान माल की धमकी दी ।न तो जमीन दिया, न ही पैसा वापस किया। बुधवार को दोनों आरोपियों को गोल चौराहा सेवई ओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार कर उपरोक्त मुकदमे में धारा 120 बी की बढ़ोत्तरी करते हुए।

अमित कुमार पुत्र चन्द्रधन निवासी खेरवा थाना नसीराबाद जनपद रायबरेली उम्र करीब 30 वर्ष (प्राइवेट जॉब) 2. रवि प्रकाश तिवारी उर्फ विकास तिवारी पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी निवासी 99 वृन्दावन सेक्टर 8 बी थाना पीजीआई लखनऊ उम्र करीब 32 वर्ष (आर.ओ मशीन बनाने व प्लाटिंग का काम करता है) को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

लखनऊ में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ मंडल में सरकारी भूमियों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के अभियान के तहत गुरुवार को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया गया। मण्डलायुक्त और नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत ग्राम तेराखास में नगर निगम की टीम ने अवैध निर्माण पर बुलडोज़र चलवाकर करोड़ों रुपये मूल्य की भूमि को कब्जे से मुक्त कराया।यह कार्रवाई अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। नगर निगम की संपत्ति शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम तेराखास (तहसील सदर, जिला लखनऊ) की खसरा संख्या-168 (0.087 हेक्टेयर) और खसरा संख्या-169 (0.063 हेक्टेयर) की बंजर भूमि पर कुछ अतिक्रमणकारियों ने अवैध रूप से बाउंड्री वॉल खड़ी कर प्लॉटिंग का कार्य शुरू कर दिया था। यह भूमि नगर निगम की स्वामित्व में दर्ज है, जिसकी बाजारू कीमत लगभग 1 करोड़ आंकी गई है।प्रभारी अधिकारी (संपत्ति) संजय यादव के आदेश पर नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में नगर निगम, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने यह अभियान चलाया। लेखपाल लालू प्रसाद, शक्ति वर्मा, राकेश कुमार यादव और सुभाष कौशल की सक्रिय भागीदारी रही। कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीन की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु थानाध्यक्ष बीबीडी द्वारा पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे संपूर्ण अभियान शांतिपूर्ण ढंग से पूर्ण हुआ।नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह भूमि सार्वजनिक हित के कार्यों के लिए आरक्षित थी। कुछ भूमाफिया इसे अवैध रूप से निजी कॉलोनी के रूप में विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। समय रहते की गई यह कार्रवाई न केवल सरकारी संपत्ति की रक्षा की दिशा में अहम है, बल्कि यह स्पष्ट संकेत भी है कि अतिक्रमण की प्रवृत्तियों को सख्ती से कुचला जाएगा।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने अभियान में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि नगर निगम शहर के विकास और नागरिकों की सुविधा के लिए सतत रूप से प्रतिबद्ध है।

आखिर किसकी थी रिवाल्वर और भाई के पास कैसे पहुंची, कहीं कोई प्लानिंग तो नहीं

परिजन व मित्र यारो को भी नहीं बतायी अपनी समस्या

» चकबंदी यूनियन के अध्यक्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत का मामला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के विंड क्लब के पास चकबंदी यूनियन के अध्यक्ष राजकुमार सिंह (55) द्वारा आत्महत्या किये जाने की बात कोई हजम नही कर पा रहा है। परिजन बताते है कि आत्महत्या का कोई कारण होना चाहिए। लेकिन कोई कारण सामने नहीं दिख रहा है। परिजन आत्महत्या की बात को स्वीकार न कर हत्या का आरोप लगा रहे है। भाई विजय का आरोप है कि उनके भाई राजकुमार आत्महत्या नहीं कर सकते।पुलिस कोई एक कारण बता दे जिससे यकीन हो जाये।

भाई विजय ने बताया कि वह शान से नौकरी कर रहे थे। दौलत, शौहरत और रुतबे में कोई कमी नही थी। ना ही कोई ऐसा कार्य था जिससे वह परेशान हो। परिवार में भी कुछ ऐसा नही हुआ जिससे वह डिस्टर्ब हुए हो। आचानक ऐसा क्या हुआ जिससे यह समझा जाये कि वो आत्महत्या कर सकते है। जब कोई वजह ही नही तो आत्महत्या का सवाल ही नही उठता है। उन्हें किसी ने मारा और उसे आत्म हत्या दिखाने का प्रयास किया गया।

चचेरे भाई पंकज ने बताया कि बुधवार को घर से सुबह साढ़े दस बजे निकलने के बाद किसी से मिलने ट्रांसपोर्ट नगर गए। कार चालक केशव राम ने बताया। उंसके बाद करीब 2 बजे वह अपने प्लाट पर आ गए । उन्होंने यह प्रॉपर्टी मार्च में ही खरीदी थी। 2 बजे अहिमामऊ स्थित अपने प्लाट पर पहुंचे। 2:15 पर चालक केसव राम को छोड़ा बोला जब तक अंदर न बुलाऊ मत आना , चालक बाहर ही था । भाई विजय ने बताया कि वह प्रॉपर्टी का भी काम करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने शव को सील करने से पहले किसी को देखने तक नही दिया।

उन्होंने बताया कि प्लाट में बने कमरे में पीछे का दरवाजा भी खुला था। उन्होंने मांग किया कि भाई की काल डिटेल व सुसाइट नोट की राइटिंग की जांच कराई जाए। उन्हें रिवाल्वर किसने दी या कोई उनके साथ किसी ने साजिश की इसकी निष्पक्ष जांच की जाए। इस मामले में जांच गुरुवार को जांच कहाँ तक पहुंची पिस्टल किसकी थी आदि सवालों के बारे में डीसीपी साउथ मोबाइल पर सम्पर्क करने का प्रयास किया गया तो वह कॉल रिसीव नहीं किये।

लखनऊ नगर निगम की छूट योजना : यूज़र चार्ज एकमुश्त भरने पर गृहकर में 10% की राहत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा नागरिकों को कर समय से जमा करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष छूट योजना लागू की है। यह निर्णय महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा नगर आयुक्त को भेजे गए निर्देशों के आधार पर लिया गया है। योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिन आवासीय भवन स्वामियों द्वारा यूज़र चार्ज का एकमुश्त भुगतान किया जाएगा, उन्हें गृहकर (हाउस टैक्स) में 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह सुविधा 31 अगस्त 2025 तक प्रभावी रहेगी और इसे अंतिम अवसर माना जा रहा है।वहीं, वाणिज्यिक भवन स्वामियों के लिए भी राहत दी गई है। वे ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से यदि अपना टैक्स जमा करते हैं तो उन्हें 5 प्रतिशत की छूट प्राप्त होगी। हालांकि, यह छूट केवल उन्हीं करदाताओं को दी जाएगी जो यूज़र चार्ज का पूरा भुगतान एक बार में करेंगे।नगर निगम ने बताया कि जुलाई माह में जब पहली बार यह योजना लागू की गई थी, तब उसे नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। ऑनलाइन भुगतान करने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी और इससे नगर निगम के राजस्व संग्रहण में भी वृद्धि दर्ज की गई थी। नागरिकों की इसी भागीदारी को देखते हुए अब योजना को अगस्त माह तक विस्तार दिया गया है, हालांकि इसमें यह नई शर्त जोड़ी गई है कि यूज़र चार्ज पहले जमा करना अनिवार्य होगा।महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि यह छूट योजना स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन जैसे पर्वों को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

तुलसीदास और प्रेमचंद की जयंती पर बीबीएयू में संगोष्ठी, साहित्य में समरसता और राष्ट्रबोध पर हुई सार्थक चर्चा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 31 जुलाई को हिन्दी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में तुलसीदास और प्रेमचंद जयंती के अवसर पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय 'तुलसीदास के साहित्य में समरसता' और 'प्रेमचंद के कथासाहित्य में राष्ट्र-बोध' रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. पवन पुत्र बादल उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और तुलसीदास, प्रेमचंद तथा बाबासाहेब अम्बेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात आयोजन समिति द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ, पटका और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण में संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मंच संचालन डॉ. शिव शंकर यादव ने किया।कुलपति प्रो. मित्तल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति बनाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराओं के साथ संतुलन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उपभोगवादी पश्चिमी संस्कृति के बजाय हमें अपने मूल्यों, कर्तव्यों, परिवार, पर्यावरण और मातृभाषा के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि लोग हस्ताक्षर भी हिंदी में करें, जिससे मातृभाषा को सम्मान और बढ़ावा मिल सके।मुख्य अतिथि डॉ. पवन पुत्र बादल ने तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' को समरसता का उत्कृष्ट ग्रंथ बताते हुए कहा कि तुलसीदास ने धर्म को केवल रीति-रिवाजों से न जोड़कर व्यवहार और कर्तव्य से जोड़ा। उन्होंने 'परहित सरिस धरम नहिं भाई' जैसी पंक्तियों का उल्लेख करते हुए बताया कि तुलसीदास का साहित्य परोपकार, करुणा और नैतिकता का संदेश देता है, जो आज भी प्रासंगिक है।भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष प्रो. राम पाल गंगवार ने प्रेमचंद के साहित्य में राष्ट्रबोध की गहराई पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने न केवल सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि ग्रामीण भारत की समस्याओं को भी उजागर किया और राष्ट्रीय चेतना को साहित्य के माध्यम से जागृत किया।हिन्दी विभाग के प्रो. सर्वेश कुमार सिंह ने तुलसीदास के साहित्य को समरसता का अधिष्ठान बताया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने समाज के हर वर्ग को अपने साहित्य में स्थान दिया और समरसता के माध्यम से सनातन धर्म की मूल भावना को सुरक्षित रखा। उनकी रचनाएं सामाजिक एकता और समभाव का संदेश देती हैं।संगोष्ठी के समापन पर डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी, अनुवादक संध्या दीक्षित सहित गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजन ने साहित्य के माध्यम से समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध को समझने का एक समृद्ध अवसर प्रदान किया।

अमेरिका के टैरिफ फैसले को लेकर प्रमोद तिवारी का हमला: कहा – मोदी सरकार की वजह से अर्थव्यवस्था संकट में

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने अमेरिका द्वारा भारत के कुछ उत्पादों पर 25 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगाए जाने को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति को पूरी तरह विफल करार दिया।प्रमोद तिवारी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाया गया यह भारी टैरिफ भारत के डायमंड, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य प्रमुख उद्योगों को गहरी चोट पहुंचाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देते हुए देश की पारंपरिक और संतुलित विदेश नीति की अनदेखी की।उन्होंने कहा, ₹मोदी पहले 'हाउडी मोदी', फिर 'नमस्ते ट्रंप' और फिर 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' जैसे नारों के जरिए ट्रंप को बढ़ावा देते रहे।

बीडीओ ने पशु आश्रय केंद्रों को लेकर सचिव व प्रधानों संग की बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज ब्लॉक में सचिव व प्रधानों संग पशु आश्रय केंद्र संबंधित महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को बीडीओ राजेश बहादुर सिंह ने बुलाई। बैठक में विकासखंड के 12 पशु आश्रय केंद्रों पर तैनात सचिव व ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। ग्राम प्रधानों ने बैठक में अपनी अपनी राय दी। वहीं बीडीओ राजेश बहादुर सिंह ने कहा कि जिला अधिकारी विशाख जी द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। बीडीओ ने सख्त लहजे में कहा कि बरसात को लेकर जो भी दिशा निर्देश शासन द्वारा जारी किए गए हैं उनका पालन हर हाल में होना चाहिए। भूसे को लेकर बीडीओ ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में स्टॉक होना चाहिए यानी की 1 महीने का भूसा एडवांस में गोदाम में रखना चाहिए। ताकि भूसे की समस्या उत्पन्न न हो। कई ग्राम प्रधानों ने राय दी कि कुछ बड़े आवारा सांड छोटे बछड़े या गायों को चारा नहीं खाने देते इसलिए छोटे जानवरों को अलग रखना चाहिए। बीडीओ राजेश बहादुर सिंह ने कहा कि जो पशु बीमार होते हैं उन्हें अलग सिक रूम में रखा जाए। साथ-साथ यदि किसी पशु की मृत्यु हो तो उसको ढक दिया जाए और समय से उसका अंतिम संस्कार किया जाए। पशु चिकित्साधिकारी डॉ सुनील सिंह के साथ एडीओ एसटी आलोक कुमार गुप्ता बैठक में मौजूद रहे। बैठक के उपरांत सभी ग्राम प्रधान ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष विनय वर्मा डिंपल से मिले और पशु आश्रय केंद्रों से संबंधित समस्याओं को साझा किया। पूरी बात सुनने के बाद ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि समय-समय पर उनके द्वारा पशु आश्रय केंद्रों की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा जाता है। उच्च अधिकारियों से वार्ता कर जल्दी ही समस्याओं का संतोष जनक हल निकाला जाएगा।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह और जयशंकर के संसद में दिये गये भाषणों का पूरा निचोड़ ये रहा

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब प्रतिरक्षात्मक नहीं, बल्कि प्रहारक रणनीति अपनाने वाला राष्ट्र है। आतंकवादियों को यह संदेश मिल गया है कि उनके आकाओं को भी सुरक्षित ठिकाने अब नहीं मिलेंगे।

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रणनीति और नीतियों में एक निर्णायक और आक्रामक दृष्टिकोण अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने भाषणों में यह संदेश दिया कि भारत न केवल हमलों का त्वरित जवाब देने में सक्षम है, बल्कि हर बार नये मानक भी स्थापित करता है।

सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की बात करें तो आपको बता दें कि उनका संबोधन इस बात का प्रमाण था कि अब आतंकवादियों के आकाओं को पता है कि भारत चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने मात्र 22 मिनट में निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक सैन्य प्रहार किया था। मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से तीन मुख्य संदेश दिए- 1. भारत अपनी शर्तों पर जवाब देगाः "अब कोई परमाणु ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी।" 2. इस ऑपरेशन में 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइलों का सफल प्रयोग भारत की रक्षा स्वायत्तता का प्रतीक था। 3. उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन देशों ने पाकिस्तान के पक्ष में बयान दिया, जबकि बाकी देशों ने भारत का समर्थन किया। मोदी ने विपक्ष पर यह आरोप भी लगाया कि उसके नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं और जवानों के पराक्रम को राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं। यह विपक्ष की नैतिक अस्थिरता को उजागर करता है।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन पर गौर करें तो आपको बता दें कि उन्होंने स्पष्ट किया कि पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान, अफगान और जिब्रान जैसे A-श्रेणी के आतंकियों को 'ऑपरेशन महादेव' में मारा गया। उन्होंने बताया कि यह अभियान भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त प्रयास का नतीजा था। अमित शाह ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ सबूत इतने मजबूत थे कि उनके पाकिस्तानी मतदाता पहचान पत्र तक बरामद हुए। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह कैसी राजनीति है कि आतंकियों के मारे जाने पर भी उनके चेहरे फीके पड़ गए।

वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन का मकसद किसी क्षेत्र पर कब्जा करना नहीं, बल्कि पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकवाद की नर्सरी को खत्म करना था। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उसने दोबारा आतंकवादी गतिविधियां कीं तो ऑपरेशन सिंदूर को पुनः शुरू करने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 10 मई की सुबह भारतीय वायुसेना के करारे हमलों के बाद ही पाकिस्तान ने संघर्ष विराम की पेशकश की थी।

उधर, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि अमेरिका या अन्य देशों के दबाव में भारत ने ऑपरेशन रोका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इस अवधि में कोई सीधा संवाद नहीं हुआ था।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री के संबोधनों से जो मुख्य बिंदु उभर कर आये उसके मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से केवल तीन ने पाकिस्तान का समर्थन किया। सिंधु जल संधि को स्थगित करना और अटारी सीमा बंद करना आतंकवाद पर भारत की सख्त नीति का संकेत था। साथ ही क्वाड, ब्रिक्स और यूएनएससी में भारत ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 22 मिनट में जवाबी कार्रवाई कर यह दिखा दिया कि अब लंबी चर्चाओं का समय खत्म हो चुका है। 'मेड इन इंडिया' हथियारों के प्रयोग ने पाकिस्तान की मिसाइल और ड्रोन तकनीक की पोल खोल दी। साथ ही विदेश मंत्री जयशंकर के नेतृत्व में भारत ने विश्व स्तर पर यह विमर्श बनाया कि पाकिस्तान का आतंकवाद पूरी मानवता के लिए खतरा है। इसके अलावा, आतंकवादियों और उनके समर्थक देशों को अब यह समझना होगा कि भारत न केवल हमले का जवाब देगा बल्कि हमलावरों को समाप्त कर देगा।

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब प्रतिरक्षात्मक नहीं, बल्कि प्रहारक रणनीति अपनाने वाला राष्ट्र है। आतंकियों को यह संदेश मिला कि उनके आकाओं को भी सुरक्षित ठिकाने नहीं मिलेंगे। मोदी सरकार ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य और आतंकवादी क्षमता को करारा झटका दिया है बल्कि वैश्विक मंच पर यह स्थापित कर दिया है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव में नहीं झुकेगा। यह नया भारत आत्मनिर्भर है, निर्णायक है और अपनी जनता के हितों की रक्षा करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

बहरहाल, संसद में दिये गये ये भाषण भारत की रक्षा नीति, आतंकी हमले का जवाब देने की नीति और विदेश नीति के परिदृश्य को दृढ़ता से प्रस्तुत करते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्रीय आवाज बुलंद की है, हालांकि विपक्ष द्वारा सुरक्षा चौकसी और खुफिया विफलता पर की गई आलोचना भी ध्यान देने योग्य है। यह बहस एक समृद्ध तथ्यों और तर्कों की लड़ाई थी, जिसमें सरकार ने सफलता हासिल की, जबकि विपक्ष ने जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में प्रयास किया।

अजब-गजब

बदनाम घर में जॉब का मिला ऑफर, काम से कॉन्फिडेंस हुआ हाई... फिर महिला ने खोला चौंकाने वाला राज

मजबूरी में इंसान न जाने क्या-क्या कर जाता है. गरीबी में कोई भीख मांगने लगता है, तो कोई गलत रास्ते पर भी चल पड़ता है. कई बार तो ऐसा होता है कि इंसान अपनी जरूरतों के लिए दूसरों के सामने हाथ फैलाना शुरू कर देता है. यूं तो आपने ऐसी कई संघर्ष की कहानियों के बारे में पढ़ा और सुना होगा, लेकिन इन दिनों जो किस्सा सामने आया है...उसने हर किसी को हैरान कर दिया. ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली क्रिस्टल गैलट्री की ज़िंदगी में भी एक वक्त ऐसी ही चुनौती आ गई थी.

अपनी कहानी के बारे में गैलट्री ने बताया कि क्रिस्टल आज एक सक्सेसफुल कंटेंट क्रिएटर हैं, लेकिन यह मुकाम मैंने एक मुश्किल और जटिल रास्ते से हासिल किया है. महामारी के दौर में उनकी अच्छी-खासी नौकरी चली गई. ये समय थोड़ा मुश्किल था क्योंकि यहां अपने गुजारे के लिए मुझे दूसरों के सामने हाथ फैलाने पड़ते थे. ऐसे में एक अंजान शख्स ने मुझे नौकरी का ऑफर दिया. जिसने मेरे सामने बस इतनी सी शर्त रखी कि मुझे अच्छा दिखना है और इसके लिए मैं राजी हो गई. हालांकि जब मैं पहली बार उस जगह पहुंचीं, तो मैंने खुद को एक बेहद अलग और चौंका देने वाली दुनिया में पाया.

क्या होता है बदनाम घर के अंदर?

हालांकि इस घर की असलियत मुझे उस समय पता चली जब मैं उस बदनाम घर में पहुंची. जहां मुझे डोर गर्ल के तौर पर काम करना था यानी वहां आने वाले ग्राहकों को एंट्री देना, कमरे चेक करना और टाइम मैनेज करना. हालांकि यहां मेरा काम और व्यवहार देखने के बाद मुझे 'मैडम' की जिम्मेदारी मिल गई जो उस पूरे घर का प्रबंधन करती है. अपनी इस जिम्मेदारी के दौरान मैंने अडल्ट इंडस्ट्री के छिपे पहलुओं और सच्चाइयों को बहुत नजदीक से देखा.

यहां सबसे चुनौतीपूर्ण वो महिलाएं थीं, जो मानसिक या भावनात्मक परेशानियों के साथ यहां आती थीं. क्रिस्टल ने आगे कहा कि यहां आने वाले कई ग्राहक समाज में प्रतिष्ठित, अमीर और जिम्मेदार लोग होते थे. अब भले ही समाज देह व्यापार को गलत नजरिए से देखता हो लेकिन मेरे लिए ये एक ऐसा माध्यम है, जिसके सहारे लोग अपने खोए हुए आत्मविश्वास को वापस पा सकते हैं. हाल ही में वे यूट्यूबर @dannyrants के पॉडकास्ट में भी आईं, जहां उन्होंने इंडस्ट्री से जुड़े अनसुने पहलुओं पर खुलकर बात की.

ब्लॉग

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है।

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।

शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज़ धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैमब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैमब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

जिस बेटे को लिया था गोद, उसी की बीवी ने सास को पूरी रात सड़क पर तड़पता छोड़ा, मौत के बाद सुनाई ये कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर हाल ही में बहुत वायरल हुआ था, जिसमें एक बुजुर्ग महिला को रात के अंधेरे में सड़क पर बेसहारा छोड़ दिया गया था। रातभर दर्द से तड़पने के बाद महिला की मौत हो गई थी। ये घटना दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज के पास से सामने आई थी। वायरल वीडियो में दो महिलाएं और एक युवक नजर आया था, बुजुर्ग महिला को ई-रिक्शा से लेकर आए थे और सड़क पर छोड़कर चले गए थे। अब पुलिस ने इन तीनों को हिरासत में ले लिया है।

दोनों महिला और युवक की पहचान भी हो गई है। दोनों में से एक महिला बुजुर्ग की बहू थी। 80 की बुजुर्ग महिला को उनकी बहू ने इसलिए सड़क पर छोड़ दिया था।

क्योंकि महिला को कैंसर था। ये घटना 23 जुलाई को घटी थी। बुजुर्ग महिला को सड़क पर तड़पता देख लोगों ने पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस ने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन अगले ही दिन महिला की मौत हो गई थी।

पुलिस ने तीनों को हिरासत में लिया

पुलिस ने बताया था कि महिला के गले में गंभीर चोटें थीं, जो कैंसर के लक्षण भी हो सकते हैं। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो बहू, दूसरी महिला और युवक का पर्दाफाश हो गया। सीसीटीवी फुटेज सामने आते ही पुलिस ने एक्शन लिया और तीनों को हिरासत में ले लिया। मृतक महिला की पहचान भगवती और बहू की पहचान जया सिंह के रूप हुई।

मृतक महिला की बहू ने क्या बताया?

मृतक भगवती गोंडा की रहने वाली थी। उनकी बहू जया ने बताया कि उसका पति राजू सिंह नशे का आदी है, जिसे उसके सास-ससुर ने गोद लिया था। सास 3-4 महीनों से कैंसर से पीड़ित थी, लेकिन राजू कुछ काम नहीं करता और घर का खर्चा भी नहीं उठाता। मेरे ससुर बृजलाल की पहले ही मौत हो गई थी। मैं अपनी सास की बीमारी का इलाज नहीं करा पा रही थी। इसलिए मैंने पड़ोस की एक महिला और युवक के साथ मिलकर सड़क किनारे सास को लेटा दिया था।

कैमरे में कैद हो गई थी पूरी घटना

वायरल वीडियो में जया अपनी सास को चादर से ढकती और सास के चेहरे को देखती हुई भी नजर आ रही है। वह तीनों रात को बुजुर्ग महिला को सड़क पर छोड़कर घर आ गए थे। महिला रातभर सड़क पर पड़ी रही और दर्द से तड़पती रही, जिस दुकान के सामने महिला को छोड़ा गया था। वहां जब सुबह दुकानदार आए तो उन्होंने पुलिस को जानकारी दी थी। दुकानदार ने बताया कि उनकी दुकान में कैमरा लगा है, जिसमें पूरी घटना कैद हो गई थी। महिला को अस्पताल ले जाया गया था, जहां 9 घंटे भर्ती रहने के बाद महिला ने दम तोड़ दिया था। अब उसकी बहू और उसके साथ युवक, महिला को भी हिरासत में ले लिया है। बहू ने बताया कि उसका पति कोई काम नहीं करता और शराब का आदी है। वह घर का खर्चा भी नहीं उठाता और सास कैंसर से पीड़ित हैं। बहू इलाज नहीं करा पा रही थी तो पड़ोसियों के साथ मिलकर उसने सास को सड़क पर छोड़ दिया था।

राज्य नोडल अधिकारी छतीसगढ़ ने आकांक्षी विकास खण्ड हलिया का भ्रमण कर किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा जनपद मीरजापुर के आकांक्षी विकास विकास खण्डों में कराए जा रहे कार्यो के निरीक्षण कि लिए जनपद मीरजापुर के नामित शिवम मिश्रा राज्य नोडल अधिकारी छत्तीसगढ़ द्वारा आकांक्षी ब्लाक हलिया का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत भटवारी स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया और बच्चों से सामान्य ज्ञान और भाषा से सम्बन्धित विषयों की जानकारी ली गई और विद्यालय में प्रत्येक दिन प्रार्थना के दौरान सुविचार, सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के सवाल जवाब और दैनिक समाचारों को साझा करने हेतु अध्यापकों को निर्देशित किया गया एवं आँगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। जिसमे लाभार्थियों का अन्नप्राशन और गोदभराई का कार्यक्रम किया गया तत्पश्चात विद्यालय और आँगनवाड़ी बच्चों के साथ एमडीएम का भोजन किया गया। उसके उपरांत ग्राम पंचायत भटवारी में समूह की महिलाओं द्वारा संचालित ड्रैगन फ्रूट की खेती का अवलोकन किया गया तत्पश्चात ग्राम पंचायत हलिया स्थित उच्चकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया जिसमे स्वास्थ्य संबंधित जानकारी प्राप्त की गई और स्वास्थ्य केंद्र स्थित शौचालय में काफी गंदगी पायी गई और पानी की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी जिस पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को एक सप्ताह के अंदर अनुपालन देने हेतु निर्देशित किया गया। तदोपरांत ब्लाक परिसर में आकांक्षी ब्लाक के संबधित सभी विभागों के ब्लाक स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किया गया और नीति आयोग द्वारा निर्धारित 39 सूचकांकों की प्रगति बढ़ाने पर चर्चा किया गया।

रातभर हाईवे पर पड़ा रहा महिला का शव, रौंदती रही गाड़ियां... 10 घंटे बाद टुकड़ों में मिली, बस हाथ में दिख रहा था टैटू

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज-कानपुर हाईवे पर एक महिला का शव पड़ा था। रातभर गाड़ियां उसे रौंदकर गुजरती रहीं। कुछ वाहन सवारों ने अनदेखी में शव पर वाहन चढ़ाया तो कुछ देखते हुए भी उसे रौंदते चले गए। दो सौ मीटर दूर तक सिर्फ मांस के लोथड़े ही नजर आ रहे थे। शव के नाम पर पुलिस को मिला तो बस एक हाथ। गठरी में मांस के लोथड़े और हाथ को भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

यह नजारा जिसने देखा उसकी रूह कांप गई। यहां तक कि पुलिस भी सन्न रह गई। पहले तो पता ही नहीं लग रहा था कि लाश महिला की है या पुलिस की। फिर पुलिस को हाथ में चूड़ीनुमा कड़ा दिखा, जिससे पता लगा कि लाश किसी महिला की है। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। महिला की शिनाख्त के साथ हादसा और हत्या दोनों बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस ने बताया- रूमा कस्बे में फतेहपुर-कानपुर लेन पर कुलगांव फ्लाईओवर से थोड़ा पहले महाराजपुर में बुधवार सुबह एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला। शव का केवल एक हाथ सुरक्षित था। बाकी पूरा शरीर मांस के लोथड़ों की शक्ल में पूरी सड़क पर लगभग दो सौ मीटर दूर तक फैला पड़ा था। शव की हालत देखकर क्षेत्रीय लोगों ने अंदाजा लगाया कि आठ से 10 घंटे तक वाहन उसको रौंदते हुए निकलते रहे। बुधवार सुबह लगभग छह बजे जब घरों से लोग बाहर निकले तो सड़क पर खून और मांस के लोथड़े देख पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने समेटे टुकड़े

पुलिस ने शव के टुकड़ों को समेटकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के साथ ही स्थानीय और आसपास के गांवों में जानकारी जुटा रही है। मौके पर से एक हवाई चप्पल मिली है। महिला के हाथ पर पीपीआरएन लिखा टैटू मिला। पीतल की एक चूड़ी हाथ पर थी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि मंगलवार की आधी रात के बाद किसी वक्त महिला किसी वाहन की चपेट में आकर घायल हो गई और सड़क पर ही गिर गई। इस हाईवे पर वाहन 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलते हैं, ऐसे में रात भर वाहन शव के ऊपर से गुजरते रहे जिससे शव पूरी तरह क्षत विक्षत हो गया।

पुलिस को हत्या का शक

वहीं, पुलिस को ये भी शक है कि कहीं महिला की हत्या कर लाश को न इस तरह फेंका गया हो। शव फेंकने वालों ने इसी मंशा से उसे फेंका होगा कि रात भर में वाहनों के आवागमन से शव की ऐसी स्थिति हो जाएगी कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो जाएगा। फिलहाल पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

मनायी गयी गोस्वामी तुलसीदास की जयंती

जौनपुर। ब्राह्मण चेतना मंच द्वारा गोस्वामी तुलसीदास की जयंती का आयोजन डॉ. रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी के संयोजन में राष्ट्रमंडल स्थित ब्राह्मण चेतना समिति के कार्यालय में हुआ। कार्यक्रम को मानस मराल प्रोफेसर आरपी ओझा ने बड़े ही अपने मार्मिक प्रसंग में प्रभु श्रीराम और सीता के प्रेम तत्व को सुनाया, उन्होंने मानस की महत्ता को विविध रूप से समझाकर कर कहा कि इस कलिकाल से पार जाने का सर्व सुलभ साधन श्रीरामचरितमानस है। कार्यक्रम के अध्यक्ष पं रामकृष्ण त्रिपाठी ने तुलसी के जीवन की आत्मकथा को विस्तार दिया और वर्षा ऋतु और रघुपति भगति की विषद व्याख्या किये। मुख्य अतिथि पं.श्रीपति उपाध्याय ने राम नाम का महत्त्व बताते हुए मानस के मार्मिक प्रसंगों की व्याख्या किये। विशिष्ट वक्ताओ में सभाजीत द्विवेदी श्प्रखरश ने मानस के महत्व को बताते हुए कहा कि ष्यह केवल काव्य सुख ही नहीं देता बल्कि जीवन संचालन की विधा बताता है।

डायरिया रोको अभियान के तहत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

भव्या मौर्या पहले, सुरभि भारती दूसरे और शिवानी रहीं तीसरे स्थान पर

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में संचालित डायरिया रोको अभियान के तहत राजकीय महाविद्यालय आवास-विकास के वनस्पति विज्ञान और जंतु विज्ञान विभाग में बृहस्पतिवार को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। पोस्टर प्रतियोगिता में भव्या मौर्या पहले, सुरभि भारती दूसरे और शिवानी तीसरे स्थान पर रहीं। इन छात्राओं को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा द्वारा सम्मानित किया जायेगा। प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने का संदेश जन-जन तक पहुँचाना रहा।

इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रध्दा गुप्ता ने कहा कि डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि और निश्चित मात्रा में लेना बहुत जरूरी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए डायरिया रोको अभियान चलाया गया। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी सामुदायिक स्वास्थ्य पहल 'डायरिया से डर नहीं' के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रहे हैं। समुदाय में डायरिया के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य के साथ ही बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आज यह प्रतियोगिता आयोजित की गयी।

कार्यक्रम के दौरान निर्णायक डॉ. सरिता यादव, डॉ. गौरव कुमार सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, अध्यापक डॉ. राकेश कुमार जायसवाल, डॉ. सतीश सिंह यादव, डॉ. पवन कुमार शर्मा, डॉ. प्रेम चंद्र चौधरी, डॉ रविंद्र सिंह यादव, डॉ. हुकुम सिंह तथा पीएसआई इंडिया से शशांक दुबे और दानिश वर आदि उपस्थित रहे।

प्रेम विवाह के बाद पत्नी को रखने से किया इंकार

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के गांव के एक युवक व एक युवती ने डेढ़ महीने पूर्व प्रेम विवाह किया था। प्रेमी ने अचानक प्रेमिका को रखने से इंकार कर दिया।प्रेमिका की सूचना पर पुलिस ने प्रेमी तथा उसके परिवार को थाने बुलवाया। उक्त गांव की दलित बस्ती निवासी 21 वर्षीय विकास कुमार पुत्र जीत बहादुर का अपने गांव के ही अमन कुमारी पुत्री संतोष कुमार से प्रेम सम्बन्ध हो गया था।युवती के परिवार के लोगों ने उसे चन्दवक थाना क्षेत्र में स्थित उसकी ननिहाल में भेज दिया।उसके बावजूद दोनो का मिलना कम नही हुआ।लगभग डेढ़ माह पूर्व दोनो ने भागकर शादी कर लिया।लड़की के ननिहाल के लोगों ने चन्दवक थाने में घटना की तहरीर दिया।पुलिस ने दोनों प्रेमी प्रेमिका को पकड़कर थाने ले आयी।थाने में सुलह समझौते के बाद दोनो ने केराकत के एक मंदिर में शादी किया।शादी के बाद प्रेमी पत्नी के साथ गांव आया।वहां।कुछ दिन रहने के बाद पत्नी के साथ मुंबई चला गया।

रील बनाई और शर्तों को तोड़ा... दारुल उलूम देवबंद में एक बार फिर महिलाओं के एंट्री पर बैन, लगा नोटिस

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित दारुल उलूम देवबंद कैंपस में एक बार फिर से महिलाओं की एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। महिलाओं की एंट्री पर गाइडलाइन को तोड़ने का हवाला देते हुए प्रतिबंध लगाया गया है। कैंपस मैनेजमेंट की ओर से बुधवार को ये जानकारी दी गई। नवंबर 2024 में ही महिलाओं की एंट्री पर पहले से लगे प्रतिबंध को कुछ शर्तों के साथ हटा लिया गया था।

नवंबर में महिलाओं को कैंपस में आने की इजाजत दे दी गई थी, लेकिन अब एक बार फिर से ये प्रतिबंध लगा दिया गया है। कैंपस के मेन गेट पर बैरिकेड पर महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का नोटिस लगाया। नोटिस में लिखा गया, "संस्था में महिलाओं का प्रवेश पूरी तरह वर्जित है" इसके साथ ही कैंपस में वीडियो

बनाने और फोटो खींचने समेत कई और प्रतिबंध भी लगाए गए हैं।

एंट्री के साथ ये प्रतिबंध भी लगे

कैंपस के मेन गेट पर लगाए गए नोटिस में फोटो खींचने, वीडियो बनाने के साथ कैंपस में मोबाइल ले जाने, गुटखा या तंबाकू खाकर थूकने, पौधों को छूने और फूल तोड़ने की बात भी लिखी गई है और सभी विजिटर्स को सूर्यास्त से पहले कैंपस से बाहर जाने के लिए कहा गया है। कहा गया कि महिलाओं को कुछ गाइडलाइन के तहत कैंपस में महिलाओं को कैंपस में आने की इजाजत दी गई थी, जिनका उल्लंघन किया गया। अधिकारियों ने कहा कि कई महिला विजिटर्स ने बिना बुर्के के मदरसे के अंदर वीडियो बनाए और सोशल मीडिया पोस्ट किए। वाइस चांसलर ऑफिस के इंचार्ज मौलाना मुफ्ती रेहान कासमी ने कहा कि पिछले साल 17 मई को, परिसर में रील बनाने की शिकायतों के बाद कैंपस ने महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। नवंबर में, हमने कड़ी शर्तों के साथ प्रतिबंध हटा लिया था।

मौलाना मुफ़्ती रेहान कासमी ने क्या कहा?

इंचार्ज मौलाना मुफ़्ती रेहान कासमी ने बताया कि प्रवेश के लिए शर्तों में महिलाओं को नकाब पहनना, एक अभिभावक के साथ आना, मोबाइल फ़ोन जमा करना था और दो घंटे का विजिटर पास लेना शामिल थीं था, लेकिन कई शर्तों का बार-बार उल्लंघन किया गया। ऐसे में मंगलवार को एक बार फिर से बैन लगा दिया गया है। महिलाओं की एंट्री बैन होने से अब दारुल उलूम को देखने आने वाली महिलाएं दारुल उलूम की ऐतिहासिक इमारत, एशिया के प्रसिद्ध मस्जिद रशीदिया और गोलाकार लाइब्रेरी को देखने की ख्वाहिश पूरी नहीं कर पाएगी।

मुर्गा बनाया, मुंह में बीड़ी ठूंसी, फिर छात्र को पीटा अब नप गया दंबगई दिखाने वाला टीचर

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा के ऊसराहार थाना क्षेत्र के नगला गंगे प्राइमरी स्कूल में तैनात हेडमास्टर ने एक चौथी कक्षा के छात्र को पानी और छुट्टी मांगने पर खूब पीटा था और फिर उसके मुंह में बीड़ी-तंबाकू ठूंस दिया था, जिसके बाद हेडमास्टर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था अब हेडमास्टर सुनील कुमार पर एक्शन लिया गया और खंड शिक्षा अधिकारी अनुपम कुमार शुक्ला की रिपोर्ट के आधार पर उसे सस्पेंड कर दिया गया। बुधवार को इटावा के ऊसराहार थाना क्षेत्र के ताखा ब्लॉक में स्थित नगला गंगे में तैनात शिक्षक सुनील कुमार पर स्कूल के छात्रों के साथ अभद्रता करने, मारपीट करने, बच्चों को डांस करवाने, छात्र के मुंह में बीड़ी और तम्बाकू ठूंसने, स्कूल में चारपाई डालकर बीड़ी, सिगरेट का सेवन करने जैसे आरोप लगे थे। इसके साथ ही जब परिजन शिकायत लेकर स्कूल में गए तो उन्हें भी टीचर ने अपनी बेल्ट उतारकर लहराते हुए धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई, जब पुलिस स्कूल में पहुंची तो टीचर सिगरेट पीते हुए धुआं उड़ाकर रौब दिखाने लगा। पुलिस को देखकर भी उसके तेवर में कोई बदलाव नहीं आया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर टीचर को हिरासत में लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस मामले की शिकायत जब विभागीय अधिकारियों से की गई तो खंड शिक्षा अधिकारी ताखा अनुपम शुक्ला को जांच के लिए भेजा गया, जिसके बाद बीईओ की रिपोर्ट के आधार पर सुनील कुमार को सस्पेंड कर दिया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है कि इस मामले की जानकारी हुई थी।

एक लार टपकी और बन गई शापित नदी, नहाने से खत्म हो जाते हैं सभी पुण्य नाम से भी डरते हैं लोग

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली में कर्मनाशा नदी है। इतिहासकारों का मानना है कि इस नदी का नाम लोक कथाओं से जुड़ा है, जिसका मतलब कर्म का नाश करने वाला माना जाता है। ऐसे में इस नदी के पानी को छूने या पीने से लोग परहेज करते हैं। कहा जाता है कि जो भी इस नदी में नहाता है। उसके सारे पुण्य खत्म हो जाते हैं। इसलिए इस नदी को अपवित्र माना जाता है।

कुछ विद्वानों के मुताबिक राजा त्रिशंकु जो शरीर समेत स्वर्ग जाना चाहते थे। उन्होंने अपने गुरु से शरीर समेत स्वर्ग जाने की इच्छा जताई, लेकिन उनके गुरु वशिष्ठ ने उन्हें वरदान देने से इनकार कर दिया। फिर त्रिशंकु यानी राजा हरिश्चंद्र के पिता सत्यव्रत वशिष्ठ के दुश्मन ऋषि विश्वामित्र के पास गए। वशिष्ठ और ऋषि विश्वामित्र के बीच पुरानी दुश्मनी थी। इसलिए विश्वामित्र ने त्रिशंकु को शरीर समेत स्वर्ग भेजने का फैसला किया।

विश्वामित्र ने अपने तब के बल पर सत्यव्रत को सशरीर स्वर्ग भेजा था, जिससे इंद्रदेव क्रोधित हो गए। उन्होंने सत्यव्रत को स्वर्ग से उल्टा करके वापस धरती पर गिरा दिया, लेकिन विश्वामित्र ने अपने तप के बल से सत्यव्रत को धरती और स्वर्ग के बीच रोक दिया। ऐसे में वह बीच में लटक गए और त्रिशंकु बन गए। उनके मुंह से लार टपकी और कर्मनाशा में रूप में नदी बनी। त्रिशंकु को वशिष्ठ का श्राप मिला था। इसलिए कर्मनाशा नदी को भी शापित माना जाता है और इसके पानी को लोग पीने या इस्तेमाल में लेने से कतराते हैं। लोग इस नदी के जल को अशुद्ध मानते हैं।

कर्मनाशा नदी बिहार के कैमूर से निकलती है और उत्तर प्रदेश मे बहती है। यह नदी उत्तर प्रदेश के सोनभद्र, वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली जिलों से होकर बहती है। यह नदी यूपी, बिहार को भी जोड़ती है। इस नदी की लंबाई 192 किलोमीटर है। यह नदी बिहार के बक्सर जिले के चौसा गांव के पास गंगा नदी में मिल जाती है और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के बड़ा गांव के पास गंगा मिलती है।

कर्मनाशा नदी पर दो बांध हैं। एक लतीफ शाह और दूसरा नुआगढ़ बांध। इनसे लोग सिंचाई करते हैं। कर्मनाशा नदी पर पहला पुल किसने बनवाया। इसका कोई प्रमाण नहीं है। ऐतिहासिक रूप से कर्मनाशा नदी पर पुलों का निर्माण ब्रिटिश शासन के दौरान और उसके बाद अहम रहा। खासकर 19वीं और 20वीं शताब्दी में इन पुलों का उद्देश्य नदी के दोनों किनारों को परिवहन और संचार को जोड़ना है।

पहले किया अभद्रता फिर कार्यालय में बन्धक बनाया

जौनपुर। जिले के कचहरी परिसर में प्रशासनिक कार्यप्रणाली और मानवाधिकारों को शर्मसार करने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। गौ रेस्क्यू टीम के संस्थापक संदीप उस समय उत्पीड़न का शिकार हो गए, जब वे अपनी निजी भूमि से संबंधित अभिलेख प्राप्त करने के लिए राजस्व विभाग के एक कार्यालय में पहुंचे थे।पीड़ति संदीप ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने जमीन से जुड़ा आवश्यक दस्तावेज माँगा, तो राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने पहले उनके साथ अभद्रता की और उसके बाद उन्हें कार्यालय के अंदर बंद कर बाहर से ताला जड़ दिया। यह पूरी घटना वहां मौजूद लोगों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक जिम्मेदार कार्यालय में एक फरियादी के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। इस घटना ने कचहरी परिसर में सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सावन में गलती से मर गया था सांप, नाग पंचमी पर रात को अचानक निकली नागिन

आर्यावर्त संवाददाता

एटा। आपने कई ऐसी फिल्में देखी होंगी जिसमें नागिन अपने नाग की मौत का बदला लेने आती है। उत्तर प्रदेश के एटा में तो सच में ही ऐसा देखने को मिला। यहां सावन के महीने में एक परिवार के कुछ सदस्यों की गलती से नाग की मौत हो गई। उन्होंने जानबूझकर नाग को नहीं मारा था। मगर नाग पंचमी के दिन उन्हीं के घर पर नागिन निकल आई। यह देख पूरे परिवार के होश फाख्ता हो गए। देखते ही देखते बात पूरे गांवभर में फैल गई। लोग दहशत में आ गए।

डर के मारे वन विभाग को सूचना गई। बाद में कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने नागिन को पकड़ ही लिया। तब जाकर लोगों की जान में जान आई। मामला अलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सरौतिया गांव का है। बताया जा रहा है कि नाग पंचमी के दिन नागिन निकल आने से ग्रामीणों ने पूरी रात दहशत में काटी।

नाग पंचमी के दिन नागिन निकली

ग्रामीणों ने बताया- प्रवेश दीक्षित के घर में नाग पंचमी के दिन नागिन निकल आई। ग्रामीणों नें बताया कि 15 दिन पूर्व ग्रामीणों से नाग मर गया था, जिस कारण नागिन अपने नाग का बदला लेने के लिए आई थी। पूरी रात नागिन ने उत्पाद मचाया और ग्रामीणों को दहशत में डाले रखा। सुबह होते ही तत्काल ग्रामीणों द्वारा वन विभाग की टीम को कॉल किया। सूचना मिलने पर तत्काल वन विभाग की टीम मौका पर पहुंची और नागिन पकड़ने कर रेस्क्यू चालू कर दिया। वन विभाग की टीम कड़ी मशक्कत के बाद नागिन को पकड़ पाई। वन विभाग की टीम द्वारा नागिन को पकड़ने के दौरान नागिन गुस्से में फन ऊपर करके डराती रही।

बरसात में बाहर निकल आते हैं सांप

वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि बरसात के मौसम के कारण घरों में चूहों के शिकार करने की वजह से सांपों के निकलने की संभावना बढ़ जाती है। वन विभाग की टीम द्वारा नागिन के रेस्क्यू के बाद पर परिजनों नें राहत की सांस ली। वन विभाग की टीम नागिन को अपने साथ ले गई।

कम बातचीत, गहरा रिश्ता, दोस्ती मजबूत बनाने के लिए अपनाएं ये गोल्डन रूल्स

अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी दोस्ती वर्षों तक चले, मजबूत बने और गहराई से जुड़ी रहे तो ये टिप्स और एहसास आपको जरूर अपनाने चाहिए।

हर साल अगस्त महीने के पहले रविवार को फ्रेंडशिप डे मनाया जाता है, जो कि दोस्तों और मित्रता के रिश्ते को समर्पित एक खास दिन है। इस साल फ्रेंडशिप डे 3 अगस्त 2025 को मनाया जा रहा है। दोस्ती की बात होती है तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा को याद किया जाता है। कर्ण और दुर्योधन की दोस्ती, प्रभु श्री राम और सुग्रीव की दोस्ती की मिसाल हैं। लेकिन क्या अब ऐसी दोस्ती देखने को मिलती है। आज की डिजिटल दुनिया में जहां दोस्ती भी डिजिटल हो चुकी है जो कि emoji से लेकर seen तक सिमट गई है। जब तक आप एक दूसरे से बात करते हैं या मिलते रहते हैं, दोस्ती बनी रहती है, और जहां चैट बंद दोस्त भी भुला दिया जाता है।

हालांकि ऐसा सबके साथ नहीं है। सोशल मीडिया के जरिए टिकी ये दोस्ती भी बिना रोज मिले, बात या चैट किए बिना भी दिल से जुड़े रिश्ते बन जाती हैं। फ्रेंडशिप गोल्स सिर्फ हर दिन घंटों तक बात करना नहीं है, बल्कि एक ऐसा जुड़ाव है जो कम बातों में भी ज्यादा अपनापन देता है। कुछ ऐसी तरकीब है जिसे अपनाकर आप ऐसे खास रिश्ते और दोस्त बना सकते हैं, जिनसे भले ही आप रोज घंटों बात न करें लेकिन आपके बीच का जुड़ाव गहरा और सच्चा होगा। अगर आप भी चाहते हैं कि आपकी दोस्ती वर्षों तक चले, मजबूत बने और गहराई से जुड़ी रहे तो ये टिप्स और एहसास आपको जरूर अपनाने चाहिए।

बातचीत को बनाएं खास

ये तो आपने सुना ही होगी कि क्वान्टिटी के ज्यादा क्वालिटी मायने रखती है। दोस्ती में भी वह गुणवत्ता जरूरी है। दोस्ती का मतलब लंबे फोन कॉल्स, घंटों चैटिंग या देर तक बैठकर बातचीत करना नहीं है। एक प्यार भरा मैसेज, दिल से भेजी गई तस्वीर या पुरानी याद शेयर करने से भी जुड़ाव को मजबूत किया जा सकता है। व्यस्त जीवनशैली में हर दोस्त से रोज बात करने का वक्त नहीं मिल पाता है तो उन्हें कभी-कभी दिल से प्यार भरा संदेश भेज दें। इतना ही काफी है आपका भावना उन तक पहुंचने और रिश्ते की गहराई बढ़ाने के लिए।

पुरानी यादों को करें सेलिब्रेट

समय-समय पर पुरानी यादों को सेलिब्रेट करें। इसके लिए पुरानी फोटो एल्बम देखें, बचपन की बातें करें या वो व्हाट्सएप चैट्स पढ़ें, जो आपको हंसाती थीं। यादें रिश्तों की रीढ़ होती हैं। इस तरह आप अपने दोस्त से जुड़ाव को हमेशा महसूस करेंगे। जीवन मे जितना आगे निकल जाएं, आपके दोस्त के लिए आपकी भावनाएं बदलेंगी नहीं।

जरूरत पर साथ खड़े रहें

भले ही आपकी दोस्त से बातचीत कम होती है या मिलना-जुलना भी नहीं हो पाता हो, कोई बात नहीं। लेकिन जब ज़रूरत हो तो 'मैं हूं तेरे लिए' वाला भाव सबसे ज्यादा मायने रखता है। आप मीलों दूर हों लेकिन उन्हें ये अहसास जरूर कराएं कि आप दोस्त के साथ हर परिस्थिति में हैं।

छोटे-छोटे सरप्राइज से ज़ाहिर करें अपनापन

दोस्ती में वो उत्साह बनाए रखें। उनका जन्मदिन या दोस्त के खास दिन को न भूलें। समय-समय पर छोटे-छोटे सरप्राइज, तोहफे देकर वो बचपना या दोस्ताना बनाए रख सकते हैं जो दोस्ती के शुरुआती दौर में था। कोई अच्छा गाना भेजना, हाथ से लिखा नोट, या ऑनलाइन सरप्राइज ये छोटी बातें दोस्ती को बड़ा बना देती हैं।

तुलना से बचें

हर दोस्ती अलग होती है। आपके जीवन में कई दोस्त होंगे। अपने सभी दोस्तों की तुलना एक दूसरे से करने के बजाय अपनी दोस्तती को उसकी खासियतों के लिए अपनाएं और संभाल कर रखें।

अच्छे श्रोता बने

दोस्ती के रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए अच्छा श्रोता होना बहुत ही जरूरी है। कई बार ऐसा होता है कि हम केवल अपनी बात बोलते रहते हैं। सामने वाले की बात नहीं सुनते हैं। इससे दूसरा व्यक्ति आपसे दूर भागने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने दोस्त की बात को ध्यान से सुनें। उसकी बात सुनें और समझें। अगर आप अपने दोस्त की बात को ध्यान से सुनते हैं तो ये दिखाता कि आप अपने दोस्त की कितनी केयर करते हैं।

अपना दिलचस्पी दिखाएं

एक स्ट्रांग फ्रेंडशिप के लिए जरूरी है कि आप दोस्त की लाइफ में दिलचस्पी दिखाएं। उनसे पूछें कि उनके गोल्स और हॉबी क्या हैं। उन सभी इवेंट और डेट्स को याद रखें जो आपके दोस्त के लिए बहुत ही अहम है। इसमें बर्थडे और एनिवर्सरी जैसी डेट्स शामिल हैं। इन इवेंट्स को सेलिब्रेट करने के लिए समय निकाल लें।

इमोशनल बाउंड्रीज

इमोशनल बाउंड्रीज यानी भावनात्मक सीमाएं किसी भी रिश्ते में तय करना जरूरी है। जब कोई पुरुष किसी महिला के साथ दोस्ती रखता है तो उसे अपनी भावनाओं को संतुलित रखना चाहिए। कई बार लोग अपनी पर्सनल समस्याओं को अपने अपोजिट जेंडर के मित्र से अधिक साझा करने लगते हैं, यह भावनात्मक निर्भरता का रूप ले सकती हैं। बहुत ज्यादा इमोशनल डिपेंडेंसी से बचें ,कुछ सीमाएं तय करें, अपनी भावनाओं को कंट्रोल में रखें, किसी भी इमोशनल कमजोरी के कारण अपने दोस्ती को कोई अलग मोड़ देने का प्रयास न करें। अगर आप किसी महिला से सिर्फ दोस्ती रख रहे हैं, तो अपने व्यक्तिगत बातें बहुत ज्यादा शेयर ना करें। दोस्ती को एक सीमित दायरे में रखें। इससे आपकी दोस्ती काफी लंबे समय तक चलेगी।

फेफड़ों के कैंसर से जुड़े इन अफवाहों को सच तो नहीं मानते आप, जान लें हकीकत

हर साल 1 अगस्त को 'वर्ल्ड लंग्स कैंसर डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस घातक बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके प्रभाव को कम करने के लिए एकजुट होना है। फेफड़ों का कैंसर दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है, और भारत में भी इसकी दरें चिंताजनक हैं।

इस गंभीर स्वास्थ्य चुनौती के बावजूद, फेफड़ों के कैंसर से जुड़ी कई ऐसी अफवाहें और गलत धारणाएं आज भी समाज में व्याप्त हैं, जो इसकी रोकथाम, शुरुआती पहचान और प्रभावी उपचार में बाधा डालती हैं। इन मिथकों को तोड़ना और वैज्ञानिक तथ्यों को जानना बेहद जरूरी है ताकि हम इस बीमारी को बेहतर ढंग से समझ सकें और इससे लड़ सकें।

अफवाह 1 : फेफड़ों का कैंसर सिर्फ धूम्रपान करने वालों को ही होता है

यह फेफड़ों के कैंसर से जुड़ी सबसे आम और खतरनाक गलत धारणा है। हालांकि, धूम्रपान (सक्रिय और निष्क्रिय दोनों) फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है, लेकिन यह एकमात्र कारण नहीं है। विशेषज्ञ बताते हैं कि फेफड़ों के कैंसर के लगभग 10-20% मामले ऐसे लोगों में पाए जाते हैं जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। ऐसे में, फेफड़ों का कैंसर उन लोगों को भी हो सकता है जो कभी धूम्रपान नहीं करते हैं।

अफवाह 2 : फेफड़ों के कैंसर के कोई शुरुआती लक्षण नहीं होते

यह मिथक न केवल निराशा पैदा करता है बल्कि शुरुआती निदान की संभावनाओं को भी कम करता है। यह सच है कि फेफड़ों का कैंसर अक्सर लास्ट स्टेज में पता चलता है, लेकिन चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति ने अब इसके उपचार में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लक्षित चिकित्सा, इम्यूनोथेरेपी और सटीक दवा जैसी नई उपचार पद्धतियों ने रोगियों के लिए जीवित रहने की दर और जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार किया है, खासकर यदि कैंसर का जल्दी पता चल जाए।

जहां तक लक्षणों की बात है शुरुआती लक्षण अक्सर सूक्ष्म होते हैं, जैसे कि लगातार खांसी, सांस लेने में तकलीफ, छाती में दर्द, या बिना कारण वजन घटना। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, क्योंकि शुरूआती स्टेज में पता चलने पर इसे ठीक किया है।

अफवाह 3 : युवा लोगों को फेफड़ों का कैंसर नहीं होता

यह एक और गलत धारणा है। हालांकि फेफड़ों का कैंसर ज्यादातर वृद्ध वयस्कों में आम है, लेकिन यह युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है। युवाओं में होने वाले फेफड़ों के कैंसर के मामले अक्सर अलग-अलग आनुवंशिक उत्परिवर्तन(म्यूटेशन) से जुड़े होते हैं। वहीं वायु प्रदूषण निश्चित रूप से फेफड़ों के कैंसर का एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है, खासकर शहरी क्षेत्रों में, लेकिन यह एकमात्र कारण नहीं है।

जैसा कि पहले बताया गया है, धूम्रपान, रेडॉन गैस, व्यावसायिक जोखिम और आनुवंशिकी जैसे कई कारक मिलकर इस बीमारी के जोखिम को बढ़ाते हैं। इसलिए, प्रदूषण से बचाव के साथ-साथ अन्य जोखिम कारकों पर भी ध्यान देना चाहिए।

फेफड़ों के कैंसर से जुड़े इन मिथकों को तोड़ना और वैज्ञानिक तथ्यों को समझना इस गंभीर बीमारी से लड़ने में पहला कदम है। जागरूकता बढ़ाने से शुरुआती पहचान की संभावनाएं बढ़ती हैं, जिससे उपचार के सफल होने की दर में भी सुधार होता है। जोखिम कारकों को कम करने, लक्षणों के प्रति सचेत रहने और जरूरी होने पर डॉक्टरों से सलाह लेने से हम फेफड़ों के कैंसर के बढ़ते बोझ को कम कर सकते हैं।

ब्लश खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, सही रंग का होगा चयन

ब्लश एक लोकप्रिय मेकअप उत्पाद है, जो चेहरे पर प्राकृतिक लाली और रंग लाने में मदद करता है। हालांकि, बाजार में इतने सारे विकल्प और रंग उपलब्ध होते हैं कि सही ब्लश चुनना मुश्किल हो जाता है। सही ब्लश का चयन करने के लिए त्वचा के रंग, प्रकार और मौसम का ध्यान रखना जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे मेकअप टिप्स देते हैं, जिनसे आपको अपने लिए सही ब्लश चुनने में मदद मिलेगी।

त्वचा के रंग का ध्यान रखें

ब्लश चुनते समय सबसे पहले अपनी त्वचा के रंग पर ध्यान दें। अगर आपकी त्वचा हल्की यानि गोरी की है तो गुलाबी या हल्के पीच रंग का ब्लश आपके लिए अच्छा रहेगा। यह आपके चेहरे को लालिमा और निखार दे सकता है। अगर आपकी त्वचा गहरी यानि सांवली है तो भूरा या नारंगी टोन वाला ब्लश चुनना सही रहता है। यह आपके चेहरे को एक सुनहरी चमक दे सकता है और लुक को और भी आकर्षक बना सकता है।

त्वचा के प्रकार को समझें

ब्लश चुनते समय अपनी त्वचा के प्रकार को भी समझें। सूखी त्वचा वाली महिलाएं क्रीम या क्रीम पाउडर ब्लश चुनें, क्योंकि ये त्वचा को नमी देते हैं और लंबे समय तक टिकते हैं। तैलीय त्वचा वाली महिलाएं पाउडर ब्लश का चुनाव करें, क्योंकि ये तेल को सोख लेते हैं और मेकअप को लंबे समय तक टिका रहने देते हैं। सामान्य या मिली-जुली त्वचा वाली महिलाएं किसी भी प्रकार के ब्लश का चयन कर सकती हैं।

मौसम का प्रभाव देखें

मौसम भी ब्लश चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। गर्मियों में गुलाबी या पीच जैसे हल्के रंग वाले ब्लश बेहतर होते हैं, क्योंकि ये ताजगी देते हैं और पसीने से मेकअप को बिगड़ने से बचाते हैं। सर्दियों में बरगंडी या भूरे जैसे गहरे रंगों वाले ब्लश चुनना सही रहता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये चेहरे को गर्माहट देते हैं और ठंडे मौसम में लंबे समय तक टिके रहते हैं।

प्रकाश का ख्याल रखें

आप जहां भी जा रहे हों, वहां की रोशनी भी ब्लश चुनते समय अहम हों सकती है। दिन की प्राकृतिक रोशनी में खड़े होकर ब्लश लगाएं, ताकि सही रंग का चयन हो सके। रात के वक्त पार्टी या किसी खास मौके पर जाते समय थोड़ा चमकदार या गहरा ब्लश चुनें, जो आपकी त्वचा को और भी गुलाबी दिखाएगा। इसके अलावा, अगर आप किसी खास जगह पर जा रहे हैं तो मेकअप सेटिंग स्प्रे का भी इस्तेमाल करें।

कम मात्रा में इस्तेमाल करें

ब्लश लगाते समय मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। थोड़ी-सी मात्रा ही चेहरे को लाल या गुलाबी स्पर्श देने के लिए काफी होती है। अगर आप पहली बार ब्लश लगा रही हैं तो थोड़ा-थोड़ा करके लगाएं और जरूरत अनुसार मात्रा को बढ़ाएं। इस तरह इन सरल टिप्स को अपनाकर आप अपने लिए सही ब्लश चुन सकती हैं, जो आपके चेहरे को लालिमा देगा और आपको आत्मविश्वास से भरपूर बनाएगा।

खर्च की आदत में छोटे बदलाव से वित्तीय सेहत में बड़ा परिवर्तन, छोटी कमाई पर भी कर सकते हैं बड़ी बचत

बचत आपकी सुरक्षित वित्तीय जीवन की बुनियाद है। केवल बड़े-बड़े कदमों से नहीं, बल्कि पैसे की बर्बादी रोकने और रोजमर्रा की छोटी-छोटी गलतियों पर काबू पाने से भी आप आसानी से बचत कर सकते हैं। आपके खर्च की आदतों में एक छोटा सा बदलाव आपकी वित्तीय सेहत में बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं।

वॉरेन बफे ने एक बार कहा था, खर्च करने के बाद जो बचे उसे मत बचाओ, बचाने के बाद जो बचे उसे खर्च करो। जब पैसों की समझ यानी वित्तीय साक्षरता की बात होती, तो आमतौर पर लोग सिर्फ शेयर, सोना, म्यूचुअल फंड और रियल एस्टेट जैसे निवेशों की ही बात करते हैं। हालांकि, पैसा बढ़ाने के लिए निवेश जरूरी है, लेकिन एक सुरक्षित वित्तीय जीवन की बुनियाद तो बचत ही है। बचत का मतलब सिर्फ खर्च में कटौती करना नहीं है। इसमें समझदारी से फैसले लेना, अच्छी आदतें डालना और जिंदगी के अचानक झटकों के लिए सुरक्षा कवच बनाना शामिल है। आइए बचत के उन पहलुओं को समझते हैं, जिनकी बात कम की जाती है।

मासिक बजट बनाने से करें शुरुआत

मासिक बजट बनाने से आपको अपनी आय और खर्चों पर नजर रखने में मदद मिलती है। शुरुआत करने के लिए अपने खर्चों को दो श्रेणियों में बांटें। पहला...जरूरतें जैसे किराया, किराने का सामान, बिजली-पानी बिल और दूसरा...इच्छाएं जैसे बाहर खाना, शॉपिंग, ओटीटी सब्सक्रिप्शन। इसके लिए 50-30-20 का नियम अपना सकते हैं। यानी कमाई का 50 फीसदी जरूरतों पर, 30 फीसदी इच्छाओं और 20 फीसदी बचत-निवेश पर खर्च करना चाहिए। इससे आपको स्पष्टता मिलेगी और आय में से खर्च को घटाने के बाद शेष बचने वाली राशि को बचत मानने वाली आम गलती से बच जाएंगे।

जानें...वेतन का कितना करें बचत

आमतौर पर, आपको अपने वेतन का कम से कम 20 फीसदी हिस्सा बचत के लिए अलग रखना चाहिए। इसमें से 10-15 फीसदी रकम लंबी अवधि के निवेश (जैसे म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और रिटायरमेंट प्लान) और 5-10 फीसदी राशि लिक्विड सेविंग या अगले कुछ समय में होने वाले खर्चों के लिए आवश्यक रूप से अलग रखें।

अगर आप 50,000 रुपये प्रति माह कमाते हैं, तो 10,000 रुपये का निवेश या बचत करनी चाहिए।

बचत का 50-30-20 का नियम...इसके तहत अपनी कमाई का 50 फीसदी हिस्सा जरूरतों और 30 फीसदी राशि इच्छाओं पर खर्च करें। 20 फीसदी राशि बचत एवं निवेश के साधनों में लगाएं।

100-उम्र...नियम का करें पालन

संपत्ति का सही आवंटन बचत और निवेश की मजबूत बुनियाद होती है। इसके लिए एक आसान नियम है...100 में से अपनी उम्र घटा दें। शेष जो बचेगा, अपने पोर्टफोलियो का उतना फीसदी पैसा इक्विटी में निवेश करें। इसे एक उदाहरण से समझते हैं... अगर आप 30 साल के हैं, तो इस फॉर्मूले के साथ 100 में से 30 घटाने पर 70 बचता है। इस प्रकार, आपको 70 फीसदी राशि इक्विटी यानि शेयर और म्यूचुअल फंड में एवं शेष 30 फीसदी डेट यानि एफडी/पीपीएफ और बॉन्ड में निवेश करना चाहिए। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आपका ध्यान आक्रामक ग्रोथ के बजाय पूंजी को सुरक्षित रखने पर केंद्रित होना चाहिए।

पैसे की बर्बादी पर नजर न होना बड़ी चुनौती

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि हमारे पास बचत के लायक पैसे नहीं हैं। लेकिन ऐसा है नहीं। असली मुश्किल आय नहीं बल्कि पैसे की बर्बादी पर नजर न होना है। फिजूलखर्जी के तीन प्रमुख स्रोतों की बात करें तो ऑनलाइन शॉपिंग की लत, अक्सर बाहर खाने जाना, बेवजह के सब्सक्रिप्शन। इसके समाधान की बात करें तो आपको हर हफ्ते अपने खर्चों की निगरानी करनी होगी। किसी भी खरीदारी से पहले खुद से पूछें कि क्या आपको वाकई उस चीज की जरूरत है या बस यूं ही खरीद रहे हैं।

इमरजेंसी फंड बनाएं, पहले से तय करें बचत

इमरजेंसी फंड विषम हालात में वित्तीय रूप से सुरक्षित रखता है। तीन से छह महीने के बुनियादी खर्चों को किसी लिक्विड और सुरक्षित निवेश में जमा करना चाहिए। 2024 के आरबीआई हाउसहोल्ड सर्वे के अनुसार, सिर्फ 22 फीसदी भारतीय परिवारों के पास ठीक ठाक इमरजेंसी फंड है। यानी 78 फीसदी परिवार वित्तीय झटकों को झेलने की स्थिति में नहीं हैं। इसके अलावा, आजकल कई निवेश में मंथली ऑटो-डेबिट की सुविधा है। इससे जैसे ही आपको वेतन मिले, एक निश्चित राशि बचत खाते या व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) में भेज दी जाए। इसके लिए कुछ टूल्स की बात करें तो इसमें सैलरी-बेस्ड स्वीप-इन एफडी, विभिन्न बचत खातों में ऑटो ट्रांसफर और रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शामिल हैं।

छोटे बदलावों से दिखेंगे बड़े नतीजे

बचत के लिए पूरी जिंदगी बदलने की जरूरत नहीं है। छोटे बदलावों से शुरुआत करें। जैसे चावल, दाल, तेल जैसी चीजें थोक में खरीदें, इससे 10-15 फीसदी की बचत कर पाएंगे। कर्ज को कम करने पर अधिक ध्यान दें। फोन या अप्लायंसेस जैसे सामान ईएमआई पर लेने से बचें। साथ ही, अधिक ब्याज वाले कर्ज जैसे क्रेडिट कार्ड के बकाये का सबसे पहले भुगतान करें। कर्ज कम करना एक प्रकार से छिपी हुई बचत है।

अमेरिका से रणनीतिक संबंधों पर भी पड़ेगा असर, चीन-रूस के करीब जा सकता है भारत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने और 1 अगस्त 2025 से जुर्माना वसूली की घोषणा की है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों में बड़ा झटका लग सकता है। ट्रंप का यह फैसला व्यापार के साथ-साथ रणनीतिक संबंधों पर भी असर डाल सकता है।

दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे थे, लेकिन इस नई शुल्क नीति से व्यापारिक विश्वास कमजोर हो सकता है। यदि यह नीति लंबे समय तक लागू रहती है, तो भारत को नए बाजारों की खोज और आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्संयोजन की आवश्यकता होगी। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत अब भी कई अमेरिकी उत्पादों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, हेल्थकेयर डिवाइसेज और कृषि वस्तुओं पर 30 से 60% तक टैरिफ लगाता है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि भारत अपने बाजार को आंशिक रूप से बंद रखता है, जबकि अमेरिकी बाजार भारत के लिए अपेक्षाकृत खुला है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत को सबसे ज्यादा झटका कपड़ा, दवा और आभूषण जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों में लगेगा। फार्मा, एग्रीकल्चर और डिफेंस सेगमेंट में अमेरिका को झटका लगेगा।

भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर संभावित प्रभाव

फार्मास्युटिकल्स (जेनेरिक दवाएं)

भारत अमेरिकी जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है।

प्रभाव : टैरिफ से इन दवाओं की कीमत अमेरिका में बढ़ेगी, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं पर बोझ बढ़ेगा। भारत के फार्मा उद्योग को बड़ी कारोबारी चोट लग सकती है।

टेक्सटाइल-रेडीमेड गारमेंट्स

अमेरिका भारत के वस्त्र निर्यात का प्रमुख गंतव्य है।

प्रभाव : 25% टैरिफ से भारतीय कपड़े अमेरिकी मार्केट में महंगे हो जाएंगे, जिससे वियतनाम, बांग्लादेश और मेक्सिको को लाभ मिल सकता है। यह क्षेत्र भारत में बहुत बड़े पैमाने पर रोजगार देता है।

जेम्स एंड ज्वेलरी

अमेरिका भारत के हीरे-जवाहरात का सबसे बड़ा ग्राहक है।

प्रभाव : अतिरिक्त टैरिफ से अमेरिका में भारतीय आभूषणों की मांग घट सकती है, जिससे सूरत और मुंबई जैसे क्लस्टर प्रभावित होंगे।

स्टील-एल्यूमिनियम

भारत अमेरिका को सीमित स्टील निर्यात करता है।

प्रभाव : टैरिफ से यह पूरी तरह अप्रतिस्पर्धी हो सकता है, जिससे निर्यात बंद होने की नौबत भी आ सकती है।

अमेरिका से भारत को होने वाले आयात पर संभावित प्रभाव

बोइंग एयरक्राफ्ट और डिफेंस इक्विपमेंट

भारत अमेरिका से भारी मात्रा में रक्षा उपकरण और यात्री विमान खरीदता है।

प्रभाव : अगर भारत पलटवार करता है तो इन उपकरणों पर ड्यूटी या ऑर्डर रद्द हो सकते हैं। इससे अमेरिका की डिफेंस इंडस्ट्री को नुकसान हो सकता है।

आईटी हार्डवेयर और चिप्स

प्रभाव : अमेरिका से आयातित सेमीकंडक्टर और हार्डवेयर पर यदि भारत पलटवार करता है तो मेक इन इंडिया को बल मिल सकता है, परंतु मूल्यवृद्धि भी होगी।

फ्रोजन फूड, बादाम, और शराब

अमेरिका से भारत बड़ी मात्रा में बादाम, ब्लूबेरी, और शराब आयात करता है।

प्रभाव : अमेरिकी कृषि उत्पादों की बिक्री घटेगी, और भारत के रिटेल सेक्टर में कीमतें बढ़ेंगी।

भविष्य के द्विपक्षीय व्यापार पर समग्र असर

यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स का अनुमान है कि कुल व्यापार मूल्य 2025-26 में 170 अरब से घटकर 150 अरब डॉलर तक हो सकता है।

रणनीतिक संबंध : रक्षा सहयोग, तकनीक साझेदारी और हिंद-प्रशांत नीति पर विश्वास में कमी आ सकती है।

ट्रेड डाइवर्जन : भारत विकल्प के रूप में यूरोप, यूएई, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से व्यापार बढ़ा सकता है।

कांग्रेस ने कहा- बड़ा झटका

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह पीएम मोदी और भारत के लिए बहुत बड़ा झटका है। तारीफ ही तारीफ में टैरिफ लग गया। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप से कोई फायदा नहीं हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप तीस बार कह चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया, तो हमें इस दोस्ती से क्या मिला?...यह अमेरिका का ब्लैकमेल है, हमारे लिए मुसीबत का समय।

ट्रंप का अगला कदम क्या होगा? US के वॉर सेल्समैन ने दिया ये इशारा

वॉशिंगटन, एजेंसी। हाल ही में अमेरिका ने दुनियाभर के कई देशों पर टैरिफ का बम फोड़ दिया है। साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर भी 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ ही भारत के जरिए रूस से दुश्मनी निकालने के लिए ट्रंप ने यहां तक कह दिया है कि भारत को रूस से तेल और हथियार खरीदने पर पेनल्टी देनी होगी। ये टैरिफ 1 अगस्त 2025 से लागू हो जाएगा। इसी बीच अब US के वॉर सेल्समैन ने इशारा दिया है कि ट्रंप का अगला कदम क्या होगा।

भारत के खिलाफ टैरिफ के बाद ट्रंप की पेनल्टी की धमकी को लेकर संकेत दिया है। रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ग्राहम हथियार कंपनियों के एजेंट हैं और इन दिनों भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ाने में जुटे हैं। रूस के कट्टर विरोधी कहे जाने वाले लिंडसे ग्राहम को वॉर सेल्समैन के रूप में जाना जाता है।

भारत के जरिए US निकाल रहा रूस से दुश्मनी

ट्रंप ने भारत के खिलाफ 25 फीसदी टैरिफ क्यों लगाया उसकी असली वजह रूस है। रूस पर दबाव बनने के लिए भारत पर इकोनॉमिक अटैक करने की अमेरिका तैयारी कर रहा है। लिंडसे ग्राहम ने ट्रंप के भारत पर टैरिफ लगाने के पोस्ट कर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर टिप्पणी करते हुए कहा, मुझे बहुत खुशी है कि डोनाल्ड ट्रंप हमारे राष्ट्रपति हैं। भारत के प्रति उनका नजरिया रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति स्थापित करने और अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए और बाज़ार खोलने का सबसे अच्छा तरीका है। राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर 25% टैरिफ लगा रहे हैं, साथ ही उन पर रूस से तेल और हथियार खरीदने पर पेनल्टी लगा रहे हैं। लिंडसे ग्राहम ने आगे कहा राष्ट्रपति ट्रंप, इस युद्ध (रूस-यूक्रेन) को समाप्त करने और दुनिया को अमेरिकी प्रोडक्ट्स के लिए खोलने के आपके नजरिए में कोई कमी नहीं है।

क्या होगा ट्रंप का अगला कदम?

इसी के साथ उन्होंने ट्रंप के रूस के खिलाफ अगले कदम की तरफ इशारा किया। दरअसल, अमेरिका की तरफ से रूस को टैरिफ की धमकी मिल रही थी। इस पर रूस ने कहा कि प्रतिबंधों की धमकी हमारे लिए रूटीन हो गई है। इसी पर अब रूस को जवाब देते हुए लिंडसे ग्राहम ने कहा, रूस, प्रतिबंधों के मामले में तुम सही हो। तुम उनसे बच पाए हो और तुमने उनके साथ जीना सीख लिया है। ज़ाहिर है, तुम यह नहीं समझ रहे हो कि राष्ट्रपति ट्रंप खेल बदल रहे हैं और वे उन देशों पर टैरिफ लगाने जा रहे हैं जो तुम्हारा तेल और गैस खरीदते हैं, जिससे तुम्हारी वॉर मशीन पर असर होगा। तुम्हें जल्द ही उन देशों से संपर्क करना चाहिए ताकि पता चल सके कि क्या उनका रवैया भी तुम्हारे जैसा ही लापरवाह है।

रूस ने क्या कहा?

ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर मास्को यूक्रेन में तीन साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई प्रगति नहीं दिखाता है तो अमेरिका 10 दिनों में रूस पर टैरिफ लागू करना शुरू कर देगा। इसी को लेकर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था कि हम काफी लंबे समय से भारी संख्या में प्रतिबंधों के अधीन रह रहे हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने नए प्रतिबंधों की धमकी को "रूटीन" बताया और कहा कि यह अजीब है कि अमेरिका और पश्चिमी देशों ने अभी तक यह नहीं समझा है कि ऐसा करने से कोई फायदा नहीं होगा और इससे पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं को ही नुकसान होगा।

'भारत रूस के साथ क्या करता है फर्क नहीं पड़ता, दोनों डेड इकोनॉमी', ट्रैरिफ पर ट्रंप का नया बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने दुनियाभर के कई देशों पर टैरिफ का बम फोड़ दिया है। पिछले कुछ समय से भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बातचीत चल रही थी। हालांकि इस डील पर बातचीत पूरी होने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर भी 25 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ ही ट्रंप ने साफ किया कि भारत को रूस से तेल और हथियार खरीदने पर पेनल्टी देनी होगी। ये टैरिफ 1 अगस्त 2025 से लागू हो जाएगा। टैरिफ ऐलान के बाद अब ट्रंप का एक बयान सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा कि भारत रूस के साथ क्या करता है मुझे फर्क नहीं पड़ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क़ नहीं पड़ता कि वे मिलकर अपनी बर्बाद होती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गिराना चाहते हैं, तो करें मुझे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता है। हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके टैरिफ़ बहुत ऊंचे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे ऊंचे हैं। इसी तरह, रूस और अमेरिका भी साथ मिलकर लगभग कोई व्यापार नहीं करते हैं। आइए इसे ऐसे ही रहने दें और रूस के असफल पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव, जो खुद को अभी भी राष्ट्रपति समझते हैं, को अपनी बातों पर ध्यान देने को कहें।

FBI हेडक्वार्टर में मिला सीक्रेट कमरा? ट्रंप-रूस जांच से जुड़ी खुफिया साजिश के सबूत

वॉशिंगटन, एजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो (FBI) के निदेशक काश पटेल ने ब्यूरो मुख्यालय के अंदर एक छिपे हुए कमरे का पता लगाया। उन्हें इस छिपे हुए कमरे में हजारों संवेदनशील दस्तावेजों से भरे हुए बर्न बैग मिले। पटेल ने बताया कि इन बैगों का इस्तेमाल आमतौर पर अति गोपनीय सामग्री को नष्ट करने के लिए किया जाता है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार पटेल और उनकी टीम ने हूवर बिल्डिंग के अंदर एक सुरक्षित कम्पार्टमेंटेड सूचना सुविधा (SCIF) के भीतर इस कमरे की खोज की।

जानकारी के अनुसार, कमरे में मिली गोपनीय वस्तुओं में से पूर्व विशेष वकील जॉन डरहम की अंतिम रिपोर्ट का एक गोपनीय अनुलग्नक भी शामिल था। इस अनुलग्नक में उस समीक्षा की खुफिया जानकारी शामिल थी जिसे डरहम ने ट्रंप और रूस की जांच के दौरान की थी।

गोपीनीय अनुलग्नक में क्या है?

सूत्रों के मुताबिक गोपनीय कमरे से मिले अनुलग्नक में विदेशी स्रोतों से प्राप्त खुफिया जानकारी शामिल है। इस अनुलग्नक से पता चलता है कि एफबीआई ने जुलाई 2016 में आधिकारिक तौर पर क्रॉसफायर हरिकेन जांच शुरू करने से पहले ट्रंप-रूस मिलीभगत की कहानी को आगे बढ़ाने की उम्मीद थी। अनुलग्नक से परिचित एक व्यक्ति ने बताया कि इस खुफिया जानकारी ने कथित तौर पर एफबीआई के अगले कदम की काफी सटीक भविष्यवाणी की थी। सूत्र ने दावा किया कि अनुलग्नक के जारी होने से इस दावे को और अधिक विश्वसनीयता मिलेगी कि अमेरिकी सरकार के अंदर एक समन्वित योजना थी, जिसके तहत क्लिंटन अभियान ने ट्रंप को रूस से जोड़ने वाला विवाद खड़ा करने में मदद की गई थी। इस अनुलग्नक को सार्वजनिक प्रकाशन के लिए सीनेट न्यायपालिका के अध्यक्ष चक ग्रासली को सौंप दिया जाएगा।

अब तक कहां छिपा था ये कमरा?

पटेल ने जून में अपने एक साक्षात्कार में इस खोज के बारे में बात की थी। उन्होंने इस कमरे का वर्णन करते हुए कहा था कि कॉमी और अन्य लोगों ने इसे दुनिया से छुपाया था। उन्होंने कहा कि जब मैं एफबीआई के निदेशक के रूप में पहली बार ब्यूरो में पहुंचा, तो मुझे एक कमरा मिला, जो ऐसे दस्तावेजों और कंप्यूटर हार्ड ड्राइव से भरा था, जिन्हें न तो किसी ने देखा था और न ही सुना था। उन्होंने कहा कि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि उस कमरे का और उसकी सामग्री का खुलासा अभी तक क्यों नहीं किया गया था।

असद के सबसे बड़े मददगार को ही सेट करने में जुट गए सीरिया के नए शासक अल-शरा

सीरिया , एजेंसी। सीरिया में साल 2024 में 24 साल से सत्ता पर काबिज बशर अल असद की हुकूमत का तख्तापलट हो गया था। इसके पीछे थे अल-शरा जिनका अतीत अल कायदा जैसे संगठनों से जुड़ चुका है। अब उन्हीं के हाथ देश की कमान है। सीरिया को पटरी पर लाने के लिए वे अमेरिका के साथ साथ दुनिया के कई बड़ी ताकतों से संबंध बनाने की कोशिशों में जुटे हैं।

इसी बीच खबर है कि अहमद अल शरा अब उसी रूस से दोस्ती की पहल कर रहे हैं जिसने कभी असद को बचाने के लिए सीरिया में दखल दिया था। तख्तापलट के बाद पहली बार सीरिया के नए विदेश मंत्री असद अल-शिबानी रूस की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं।

मीटिंग का एजेंडा क्या है?

गुरुवार को वो मॉस्को में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि दोनों के बीच सीरिया-रूस रिश्तों को नई दिशा देने पर चर्चा होगी, साथ ही अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बात होगी।

रूस ने कभी बशर अल-असद की सत्ता बचाने के लिए सीरिया में दखल दिया था। लेकिन जब पिछले साल विद्रोहियों ने दमिश्क पर चढ़ाई कर दी और असद को सत्ता से बेदखल कर दिया, तो रूस ने दोबारा हस्तक्षेप नहीं किया। असद ने बाद में दावा किया था कि वो तो लड़ाई जारी रखना चाहते थे लेकिन रूस ने उन्हें दमिश्क से निकालकर अपने हेमीमिम एयरबेस पहुंचा दिया।

पुतिन के साथ हो चुकी है बातचीत

अल-शरा और पुतिन के बीच पहले ही फोन पर बातचीत हो चुकी है, जिसे क्रेमलिन ने रचनात्मक और व्यवसायिक बताया था। इसके अलावा जनवरी में एक रूसी प्रतिनिधिमंडल दमिश्क गया था। रूसी सेनाएं अब भी सीरिया के तटीय इलाकों में मौजूद हैं और खबर है कि रूस ने हाल ही में सीरिया को तेल की आपूर्ति भी की है। सीरियाई राष्ट्रपति अल शरा ने इजराइली हमलों और ड्रूज अल्पसंख्यकों के खिलाफ झड़पों में रूस के स्पष्ट विरोध के लिए खुलकर शुक्रिया अदा किया है।

एएनएससी बैंक घोटाले मामले को लकेर अंडमान–निकोबार में पहली बार ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (ANSCB) में हुए करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच के सिलसिले में पहली बार अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में छापेमारी की है। यह कार्रवाई बैंक द्वारा फर्जी कंपनियों को दिए गए लोन और ओवरड्राफ्ट सुविधा में अनियमितताओं के आरोपों पर की गई है। ईडी ने बताया कि पोर्ट ब्लेयर और आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता के दो ठिकानों पर एक साथ छापे मारे गए।

ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, पोर्ट ब्लेयर में की गई तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं जो बड़े स्तर पर बैंकिंग अनियमितताओं की ओर इशारा करते हैं। दस्तावेजों से यह खुलासा हुआ है कि बैंक ने नियमों और गाइडलाइंस की अनदेखी करते हुए शेल कंपनियों और फर्जी फर्मों को भारी मात्रा में लोन और ओवरड्राफ्ट सुविधाएं दीं। अधिकारियों का कहना है कि यह सारा लेन-देन सुनियोजित तरीके से किया गया।

ऐसे रची गई फर्जीवाड़े की साजिश

ईडी की जांच में सामने आया है कि करीब 15 कंपनियां और संस्थाएं सिर्फ इस घोटाले के लिए बनाई गई थीं। इन कंपनियों के पीछे मुख्य उद्देश्य पूर्व सांसद कुलदीप राय शर्मा को लाभ पहुंचाना था। इन संस्थाओं ने मिलकर एएनएससी बैंक से 200 करोड़ रुपये से ज्यादा के लोन धोखाधड़ी से हासिल किए। यह राशि फर्जी दस्तावेजों और गैरकानूनी प्रक्रिया के तहत प्राप्त की गई।

लोन की राशि नकद निकाली गई

जांच में यह भी सामने आया है कि लोन की राशि का एक बड़ा हिस्सा नकद में निकाला गया और उसे सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया गया, जिनमें पूर्व सांसद कुलदीप राय शर्मा का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। शर्मा वर्तमान में अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष भी हैं। ईडी अब इस पूरे मामले में नकदी के स्रोत और उसके इस्तेमाल की भी जांच कर रही है।

एफआईआर के आधार पर शुरू हुई जांच

यह मामला तब सामने आया जब अंडमान निकोबार पुलिस के अपराध एवं आर्थिक अपराध शाखा ने बैंक के कुछ अधिकारियों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की संभावनाओं की जांच शुरू की और अब मामला बड़े स्तर पर खुल रहा है।

आंदोलन बन चुका है सोशल मीडिया : प्रो .संजय द्विवेदी

माउंट आबू में ब्रम्हकुमारीज के चार दिवसीय सोशल मीडिया रिट्रीट का शुभारंभ

माउंट आबू। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी का कहना है कि सोशल मीडिया अब सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि एक आंदोलन बन चुका है। इसलिए उसकी जिम्मेदारी भी बहुत बढ़ गई है। वे यहां माउंट आबू में ब्रम्हकुमारीज द्वारा आयोजित चार दिवसीय सोशल मीडिया इंफ्लूसर्स रिट्रीट के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बीके जयंती, सिरोही की कलेक्टर अल्पा चौधरी ब्रम्हकुमारीज के अतिरिक्त महासचिव बीके करुणा, फिल्म कलाकार और इंफ्लूसर कुलदीप सिंहानिया, जाह्नवी सिंह, बीके मृत्युंजय ने भी अपने विचार रखे।

प्रो.संजय द्विवेदी ने कहा कि हमारा कंटेंट सिर्फ वायरल न हो बल्कि मूल्यवान भी हो। उसमें भारत की आत्मा, उसके सपनों और आकांक्षाओं के दर्शन हों। उन्होंने कहा कि एल्गोरिथम की गुलामी से मुक्त होकर दिल की बातें कहिए। लोगों पर भरोसा कीजिए वे अच्छे कंटेंट के पास जरूर आएंगे। इसके लिए हमें कंटेंट क्रियेटर के साथ कंटेंट रिफार्मर और लीडर बनना होगा। प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि हमारा कैमरा और रिंग लाइट समाज को बदलने वाली रौशनी पैदा कर सकता है। अगर हम अपने सामाजिक दायित्व को समझें तो यह सिर्फ कैरियर नहीं बल्कि मिशन भी बन सकता है।

शास्त्र, संस्कृति और साड़ी की कहानियां सुनाती हूं: जाह्नवी सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सम्मानित सोशल मीडिया इंफ्लूसर जाह्नवी सिंह ने कहा कि वे शास्त्र, संस्कृति और साड़ी की तीन श्रेणियों से भारत की सांस्कृतिक विरासत को लोगों के सामने लाने का प्रयोग कर रही हैं। वे इन कहानियों से नयी पीढ़ी को 'भारतबोध' करा रही हैं। सोशल मीडिया इंफ्लूसर और फिल्म कलाकार कुलदीप सिंहानिया ने कहा कि समझौते न करते हुए अपने मूल्यों पर चलकर मिली सफलता ही सुख देती है। मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर पाया। उन्होंने आह्वान किया कि कंटेंट क्रियेटर्स सकारात्मक संवाद को फैलाएं। कार्यक्रम के आरंभ में ब्रम्हकुमारीज के जनसंपर्क अधिकारी बीके कोमल ने स्वागत भाषण में बताया कि इस चार दिवसीय आयोजन में देश भर से आए 350 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया की शक्ति का सार्थक प्रयोग करना है। संचालन डॉ.बीके रीना ने किया।

तेलंगाना में पार्टी बदलने वाले विधायकों को कोर्ट का अल्टीमेटम, स्पीकर से कहा तीन महीने में लें फैसला

हैदराबाद, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि वो विपक्षी पार्टी कांग्रेस में गए विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लें। कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह आदेश दिया। कोर्ट ने साफ किया कि विधानसभा अध्यक्ष को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी विधायक द्वारा इस अयोग्यता की कार्यवाही में देरी न की जाए। यदि कोई विधायक इस प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचता है, तो अध्यक्ष उसके खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

पार्टी बदलने पर उठे सवाल

यह मामला उन विधायकों से जुड़ा है जिन्होंने चुनाव के बाद BRS के टिकट पर जीत हासिल की थी, लेकिन बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। इस पर BRS ने उन्हें अयोग्य ठहराने के लिए विधानसभा अध्यक्ष को याचिका दी थी, लेकिन उस पर फैसला नहीं हुआ। इसी देरी के खिलाफ BRS के विधायकों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

कोर्ट ने कहा कि विधायकों के दलबदल मामले संविधान की 10वीं अनुसूची से जुड़े होते हैं और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई जरूरी है ताकि लोकतांत्रिक प्रणाली की निष्पक्षता बनी रहे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले को लंबा खींचना अनुचित होगा।

स्पीकर को निष्कर्ष निकालने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वे तीन महीने के भीतर याचिका पर फैसला लें और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करें। साथ ही, यह भी कहा गया कि यदि कोई विधायक टालमटोल की कोशिश करता है।

राज के साथ डिनर डेट पर गईं सामंथा, फोटो क्लिक करने पर पैपराजी से नाराज दिखे निर्देशक

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु और निर्देशक राज निदिमोरु हाल ही में मुंबई के रेस्टोरेंट में एक साथ डिनर डेट पर नजर आए। जिससे उनके रिश्ते की अफवाहें और तेज हो गईं।

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु और फिल्म निर्देशक राज निदिमोरु को एक साथ मुंबई के एक रेस्टोरेंट में डिनर डेट पर देखा गया। दोनों एक साथ एक ही कार में डिनर के लिए रेस्टोरेंट आए थे। लेकिन जब पैपराजी ने दोनों को एक साथ कैमरे में कैद करना चाहा तो राज पैपराजी की इस हरकत से नाराज नजर आए।

एक साथ नजर आए राज और सामंथा

मुंबई में डिनर के लिए एक साथ नजर आए सामंथा और राज को देखने के बाद जैसे ही पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद करना चाहा, वैसे ही राज के चेहरे के एक्सप्रेशन गुस्से में बदल गए।

राज पैपराजी की इस हरकत से नाराज नजर आए। इस दौरान सामंथा ने सफेद-नीली धारीदार स्वेटर पहनी थी और साथ ही वह बिना मेकअप के सिपंल लुक में भी बेहद खूबसूरत दिखीं, जबकि राज हरी जैकेट और काली टोपी में दिखे।

अब इन दोनों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पहले, सामंथा ने सोशल मीडिया पर राज के साथ डेट्रॉयट की तस्वीरें साझा की थीं, जिसने इन दोनों की डेटिंग को लेकर अफवाहों को हवा दी थी।

राज और सामंथा

इंडिया टुडे की एक खबर के मुताबिक, राज की पूर्व पत्नी श्यामाली डे ने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमय पोस्ट लिखा था, जिसमें उन्होंने ₹जो बोओगे, वही काटोगे₹ कहा, जिसे लोग इन अफवाहों से जोड़कर देख रहे हैं।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा और राज ने 'द फैमिली मैन 2' और 'सिटाडेलः हनी बनी' जैसी वेब सीरीज में साथ काम किया है। अब सामंथा नेटफ्लिक्स की 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों साथ में प्रॉपर्टी भी देख रहे हैं। फिलहाल, न तो सामंथा और न ही राज ने अपने रिश्ते पर कोई स्पष्ट बात कही है।

निक जोनस ने प्रियंका चोपड़ा के साथ शेयर कीं शानदार तस्वीरें, एक्ट्रेस ने दिया प्यारा जवाब

अमेरिकी गायक, गीतकार और अभिनेता निक जोनस और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। आज निक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बेटी मालती मैरी और पत्नी प्रियंका के साथ कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। निक की इन तस्वीरों पर प्रियंका ने प्यारा कमेंट कर फैंस का दिल जीत लिया है।

प्रियंका और निक की तस्वीरें

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने जुलाई में अपनी बेटी मालती मैरी के साथ समुद्र तट पर और ब्रॉडवे शो में मजेदार समय बिताया। निक ने इंस्टाग्राम पर परिवार के खूबसूरत पलों की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में मालती फिश पोंड देखती, गेम खेलती और धूप में मजा करती नजर आईं। आखिरी तस्वीर ने प्रशंसकों को पुरानी यादों में ले जाकर भावुक कर दिया। आखिरी तस्वीर निक और उनके ब्रदर्स की हैं।

निक ने आज इंस्टाग्राम पर प्रियंका, मालती और अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें जुलाई के वेकेशन के दौरान की हैं। इन तस्वीरों के साथ निक ने कैप्शन में लिखा, 'जुलाई'। वहीं निक की इस पोस्ट पर प्रियंका ने जवाब देते हुए लिखा, 'एक जैसे (हेयर) कलर्स'।

निक को मालती के साथ समय बिताना लगता है अच्छा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका ने अपनी नई फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रमोशन के दौरान कहा था कि परिवार के साथ समय बिताना उनकी सबसे बड़ी खुशी है। उन्होंने

बताया कि रविवार की सुबह घर पर आराम करना और परिवार के साथ रहना उनके लिए बहुत खास होता है। वहीं निक ने भी एक इंटरव्यू के दौरान पिता बनने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि मालती के साथ समय बिताना और उसे ₹डैडर कहते सुनना उनके लिए सबसे कीमती है। वह मालती के साथ 'मोआना' और 'माउई' जैसे खेल खेलना पसंद करते हैं।

प्रियंका और निक की शादी

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस बॉलीवुड और हॉलीवुड के सबसे हॉट कपल्स में से एक हैं। प्रियंका और निक ने 2018 में राजस्थान में हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों से शादी की थी। 2022 में सरोगेसी से जन्मी उनकी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस उनकी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा हैं।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी, जिसके बाद उन्होंने 'मिस वर्ल्ड' का टाइटल जीता था। हाल ही में प्रियंका ₹हेड्स ऑफ स्टेट₹ में नजर आईं। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा इदरीस एल्बा और जॉन सीना ने अहम भूमिका निभाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब वह जल्द ही ₹द ब्लफ₹ में 19वीं सदी की एक समुद्री डाकू के रूप में नजर आएंगी। इसके अलावा प्रियंका वेब सीरीज ₹सिटाडेल₹ के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। प्रियंका निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म ₹एसएसएमबी29₹ में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी होंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com